देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 237 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...
सहयोग पर जोर

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 28 दिसंबर 2024

मौसम अधिकतम 15.0° न्यूनतम 10.0° | 82924.41 | 2 बाल-बाल बचे डब्ल्यूएचओ चीफ | 7 कहर बनकर टूटी दीप्ति शर्मा

अलविदा डॉ. मनमोहन: देशभर में शोक की लहर

आज राजघाट के पास होगा पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से पूरे देश में शोक की लहर है। देश में सात दिन के राष्ट्रीय शोक का एलान किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनमोहन सिंह के आवास जाकर पूर्व पीएम के प्रति श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके बाद प्रधानमंत्री मोदी ने एक शोक संदेश जारी किया और पूर्व पीएम को याद किया। पीएम मोदी ने कहा कि श्पूर्व पीएम मनमोहन सिंह से निधन से हम सभी दुखी हैं। उनका जाना देश के लिए बड़ा झटका है। मनमोहन सिंह का जीवन भावी पीढ़ियों के लिए उदाहरण है कि किस तरह से वे सभी चुनौतियों से पार पाकर ऊंचाई पर पहुंच सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि श्वह हमेशा एक ईमानदार नेता, एक महान अर्थशास्त्री और एक ऐसा नेता के तौर पर याद रखे जाएंगे, जिन्होंने खुद को सुधारों के प्रति समर्पित कर दिया। एक अर्थशास्त्री के रूप में, खासकर चुनौतीपूर्ण समय में उन्होंने देश की बड़ी सेवा की। उन्होंने अलग-अलग पदों पर अपने सेवाएं दीं और देश की विकास यात्रा में अहम योगदान दिया। उन्होंने रिजर्व बैंक के गवर्नर के रूप में सेवाएं दीं। पूर्व पीएम पीवी नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री रहे और देश में आर्थिक उदारीकरण की नींव रखी।

पीएम मोदी ने कहा कि जनता के प्रति, देश के विकास के प्रति उनका जो समर्पण था, उसे हमेशा बहुत सम्मान से देखा जाएगा। डॉ. मनमोहन सिंह का जीवन ईमानदारी, सादगी का प्रतीक था। उनकी सौम्यता, बौद्धिकता उनके जीवन की पहचान रही।

कांग्रेस सांसद सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और केसी वेणुगोपाल और पार्टी के अन्य नेताओं ने दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के आवास पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष के सभी नेता और कार्यकत्ताओं ने उन्हें याद कर श्रद्धांजलि दी।

गौरतलब है कि मनमोहन के परिवार में पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां हैं। केंद्र सरकार ने सात दिनों के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की है। पूरे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मनमोहन सिंह को याद कर भावुक हुए पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा उच्च पदों पर रहने के बावजूद मनमोहन सिंह अपनी जड़ों को कभी नहीं भूले। वे सभी के लिए सहज उपलब्ध रहे। जब मैं मुख्यमंत्री था तो मनमोहन सिंह के साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर खुले मन से चर्चा होती थी। दिल्ली आने के बाद भी उनसे समय-समय पर चर्चा होती थी, वो चर्चाएं और मुलाकातें मुझे हमेशा याद रहेंगी। उन्होंने वित्त मंत्री सहित विभिन्न सरकारी पदों पर कार्य किया और वर्षों तक हमारी आर्थिक नीति पर अपनी गहरी छाप छोड़ी। संसद में उनके हस्तक्षेप भी बहुत ही व्यावहारिक थे। प्रधानमंत्री के रूप में उन्होंने लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए व्यापक प्रयास किए। आज इस कठिन घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति संवेदनाएं अर्पित करता हूं।

दम तोड़ती भारतीय अर्थव्यवस्था में जान फूंकी

पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह का गुरुवार को निधन हो गया। वो 92 साल के थे। उन्हें गुरुवार की शाम तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान यानी एम्स में भर्ती कराया गया था। मनमोहन सिंह लगातार दो कार्यकाल के लिए, 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। 90 के दशक की शुरुआती में दम तोड़ती भारतीय अर्थव्यवस्था को वित्त मंत्री के रूप में डॉ सिंह ने आर्थिक सुधारों के जरिए नया जीवन दिया। डॉ सिंह के कामों ने एक ऐसी जमीन तैयार की जिस पर चलकर भारत आज दुनिया की महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है।

संक्षिप्त समाचार

पंजाब के बठिंडा में दर्दनाक हादसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज बठिंडा। शुक्रवार दोपहर करीब डेढ़ बजे मानसा के सरदूलगढ़ से तलवंडी साबो होते हुए बठिंडा आ रही यात्रियों से भरी एक निजी कंपनी की बस गांव जीवन सिंह वाला के पास बठिंडा से हरियाणा जाने वाले गंदे नाले में गिर गई। खबर लिखे जाने तक इस हादसे में 8 लोगों की मौत होने की जानकारी मिली है, जिसमें केवल मृतक बस चालक की पहचान बलकार सिंह निवासी गांव कोटधाम जिला मानसा के तौर पर हुई।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज इम्फाल। मणिपुर में एक बार फिर उपद्रवियों ने हिंसा फैलाने का प्रयास किया है। पहाड़ी इलाकों से हथियारबंद लोगों ने शुक्रवार को मणिपुर के इम्फाल ईस्ट जिले के दो गांवों में बंदूक और बम से हमला किया, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि सनसाबी और थमनापोकपी गांवों में हमले हुए हैं।

पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदला

एक हफ्ते में दूसरी बार बर्फबारी, पहुंचे सैलानी, लगा जाम

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम ने करवट बदल ली है। प्रदेशभर में बादलों का डेरा है। दून में सुबह से ही धुंध छाई हुई है और धूप के दर्शन नहीं हो रहे हैं। इसके साथ ही सर्द हवाएं कंपकंपी छुटा रही हैं। मसूरी और आसपास के क्षेत्रों में घने बादल छाने के साथ वर्षा और बर्फबारी के आसार बने हुए हैं। पारे में गिरावट आने से कड़ाके की ठंड महसूस की जा रही है। वहीं उत्तराखंड में भारी बर्फबारी के आसार बनते ही सैलानी भी पहुंचने लगे हैं। शुक्रवार को औली में बर्फबारी हुई। यहां पर्यटकों की भीड़ उमड़ पड़ी। इतनी भीड़ पहुंची कि जाम लग गया।

श्रीनगर गढ़वाल में शुक्रवार सुबह से ही आसमान में बादल छाए रहने के बाद दोपहर से शुरू हुई रिमझिम बारिश ने कड़ाके की ठंड बढ़ा दी है। ठंड के कारण अन्य दिनों की अपेक्षा बाजारों में भीड़ काफी कम रही। बाजार सूने नजर आए। लोग जरूरी कार्यों के लिए ही घरों से बाहर निकले।

जगह-जगह दुकानों के आगे लोग आग जलाकर ठंड से बचाव को लेकर अलाव का सहारा लेते देखे गए। बादल छाए रहने के बाद रिमझिम बारिश से शुक्रवार को श्रीनगर में कड़ाके की ठंड पड़ी। दोपहर से रुक रुककर हो रही रिमझिम बारिश दिनभर जारी रही। बारिश होने के कारण अन्य दिनों की अपेक्षा शुक्रवार को मौसम में काफी ठंडक भी महसूस की गयी।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से उत्तराखंड में मौसम का मिजाज बदल गया है। आज पर्वतीय क्षेत्रों में हल्की बर्फबारी और मैदानी क्षेत्रों में बूंदाबांदी हो सकती है। शनिवार को 2000 मीटर से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी हिमपात और अन्य क्षेत्रों में वर्षा के आसार हैं।

चारधाम व हेमकुंड साहिब में बर्फबारी

शुक्रवार को चारधामों सहित ऊंची चोटियों पर बर्फबारी हुई। चमोली में शुक्रवार सुबह से मौसम खराब बना रहा। वहीं केदारनाथ, बदरीनाथ व हेमकुंड साहिब में ताजा बर्फबारी हुई है। उत्तरकाशी में जनपद मुख्यालय और सभी तहसील क्षेत्र में बादल लगे रहे। गंगोत्री, यमुनोत्री धाम में बर्फबारी हुई। मां गंगा के शीतकालीन प्रवासी स्थल मुखबा और हर्षिल घाटी में भी बर्फबारी हुई है।

ब्रह्मपुत्र नदी को बांधने की कोशिश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने का एलान किया है। ब्रह्मपुत्र नदी तिब्बत से निकलती है। इसे चीन में यारलुंग जंग्बो कहते हैं। तिब्बत में बनने जा रहे इस बांध का असर भारत और बांग्लादेश दोनों पर होगा।

दरअसल यारलुंग जंग्बो नदी तिब्बत से निकलकर चीन से होते हुए भारत में प्रवेश करती है। भारत में इसका नाम ब्रह्मपुत्र हो जाता है। अरुणाचल प्रदेश और असम से बहकर ब्रह्मपुत्र जब बांग्लादेश में पहुंचती है, तो इसे जमुना कहा जाता है। लेकिन चीन के इस एलान से भारत और बांग्लादेश की चिंताएं क्यों बढ़ी हुई हैं। चीन ने ब्रह्मपुत्र पर जिस बांध को बनाने का एलान किया है, सबसे पहले उसकी लोकेशन समझिए। ये बांध तिब्बत में यारलुंग जंग्बो के निचले हिस्से में बनाया जाना है। हिमालयी क्षेत्र में जहां ब्रह्मपुत्र नदी अरुणाचल में प्रवेश करती है, वहां एक बड़ा और शार्प यू-टर्न लेती है। इसी जगह पर एक विशाल घाटी मौजूद है। बांध का निर्माण यहीं किया जाना है। इसके निर्माण में 137 बिलियन डॉलर खर्च होने की उम्मीद है। चीन में पहले से ही थ्री गोरजेस बांध मौजूद है, जो वर्तमान में दुनिया में सबसे बड़ा है। लेकिन अगर ब्रह्मपुत्र पर बनने वाला बांध चीन के प्लान मुताबिक तैयार हो गया, तो यह थ्री गोरजेस से भी बड़ा होगा। इसका मतलब ये हुआ कि दुनिया का सबसे बड़ा बांध चीन फिर से बनाने वाला है।

चिंता

■हमारे बॉर्डर के पास चीन बना रहा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

भारत की क्या है चिंता?

दरअसल चीन ने जिस बांध को बनाने का प्लान तैयार किया है, उसमें काफी ज्यादा मात्रा में पानी को स्टोर किया जा सकेगा। जाहिर है कि बांध बनने के बाद नदी के बहाव पर चीन का कंट्रोल हो जाएगा।

Are you Planning to make a Website or already have ?
If yes, then we are here to serve you
What we do
Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.
Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS
Search Engine Optimisation
A-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.
Gadoli Media Ventures
Contact:
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

देहरादून से था डॉ. मनमोहन सिंह का गहरा लगाव

संवाददाता

■चचेरे भाई बोले, डा. मनमोहन सिंह के निधन से परिवार स्तब्ध

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा के सलाहकार अमरजीत सिंह ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री डा मनमोहन सिंह का देहरादून से गहरा लगाव था।

वह अपने सगे ताऊ स्वर्गीय गोपाल सिंह कोहली के देहरादून स्थित रेस कोर्स निवास पर अक्सर लंबे प्रवास के लिए आया करते थे। उनके चचेरे भाइयों, स्वर्गीय हरभजन सिंह कोहली और अमरजीत सिंह कोहली, से उनका विशेष स्नेह और जुड़ाव था। इसके अतिरिक्त, जौलीग्रांट हिमालयन इंस्टीट्यूट हास्पिटल ट्रस्ट के संस्थापक स्वामी राम से उनके अच्छे संबंध थे। देहरादून आने पर वह अक्सर स्वामी राम से विशेष रूप से मुलाकात किया करते थे।

डा मनमोहन सिंह के चचेरे भाई अमरजीत सिंह कोहली ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन से परिवार स्तब्ध है। हमारा पूरा परिवार गहरे शोक में है। उनका निधन न केवल समाज के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए भी एक अपूरणीय क्षति है। प्रदेश कांग्रेस के नेताओं ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए इसे पार्टी और देश के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

न्यूज डायरी

बाल–बाल बचे डब्ल्यूएचओ चीफ, विमान में सवार हो रहे थे एयरपोर्ट पर हुई बमबारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। यमन से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के डायरेक्टर–जनरल टेड्रोस एडनॉम, गुरुवार को यमन के सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर इजरायल की एयरस्ट्राइक में बाल–बाल बच गए। इस हमले में करीब दो लोगों की मौत की खबर सामने आई है।

मिली जानकारी के अनुसार, डॉ. टेड्रोस अपने संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूएचओ सहयोगियों के साथ एक फ्लाइट में सवार होने वाले थे और इसी वक्त हमला हो गया। इस दौरान फ्लाइट क्रू मेंबर्स चालक का एक सदस्य घायल हो गया। डब्ल्यूएचओ प्रमुख घेब्रेयसस ने कहा, संयुक्त राष्ट्र के कर्मचारियों की रिहाई के लिए बातचीत करने और यमन में स्वास्थ्य और मानवीय स्थिति का आकलन करने का हमारा मिशन आज समाप्त हो गया। हम बंदियों की तत्काल रिहाई के लिए आह्वान करते रहेंगे। लगभग दो घंटे पहले जब हम सना से अपनी उड़ान भरने वाले थे, तो हवाई अड्डे पर हवाई बमबारी हुई। हमारे विमान के चालक दल के सदस्यों में से एक घायल हो गया। उन्होंने आगे लिखा, हवाई अड्डे पर कम से कम दो लोगों के मारे जाने की खबर है। एयर ट्रैफिक कंट्रोल टॉवर, प्रस्थान लाउंज जहाँ हम थे, वहाँ से कुछ मीटर की दूरी पर और रनवे क्षतिग्रस्त हो गए। हमें रवाना होने से पहले हवाई अड्डे को हुए नुकसान की मरम्मत होने तक इंतजार करना होगा।

इजरायल के एक हवाई हमले में पांच फलस्तीनी पत्रकारों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दीर अल–बलाह। पश्चिम एशिया में युद्धविराम की कोशिशों के बीच गाजा पट्टी में बुधवार रात इजरायली हवाई हमले में एक अस्पताल के बाहर पांच फलस्तीनी पत्रकारों की मौत हो गई। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के इस दावे के बाद गुरुवार को इजरायली सेना ने कहा कि उसने आतंकियों को निशाना बनाकर हमले किए थे। इसके अलावा पूरे गाजा क्षेत्र में हुए इजरायली हमले में 22 फलस्तीनी मारे गए। पत्रकार स्थानीय कुदस न्यूज नेटवर्क के लिए काम कर रहे थे। इजरायल ने लेबनान के बालबेक क्षेत्र में भी हवाई हमले किए। इजरायली हमले का निशाना नुसरत शरणार्थी शिविर था। शिविर के पास अल–अवदा अस्पताल के बाहर खड़ी कार में हुए धमाके में पांच पत्रकारों की मौत हो गई। पत्रकार स्थानीय कुदस न्यूज नेटवर्क के लिए काम कर रहे थे। इजरायली सेना ने कहा कि उसने हमास से संबद्ध आतंकी ग्रुप इस्लामिक जिहाद के लड़ाकों के समूह को निशाना बनाया, जिसने सात अक्टूबर, 2023 को इजरायल में हमले कर युद्ध की शुरुआत की थी। वहीं, पत्रकारों की सुरक्षा करने वाली समिति का कहना है कि युद्ध शुरू होने के बाद से 130 से अधिक फलस्तीनी पत्रकार मारे गए हैं। उत्तरी गाजा में इजरायली हमलों में विस्थापित हुए लोगों के अल–मुहब्बन स्कूल शरणार्थी शिविर समेत पूरे गाजा में 22 फलस्तीनियों की मौत हो गई।

सीरिया में नागरिकों की सुरक्षा में तैनात अधिकारियों पर हमला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) दमिश्क। सीरिया के उत्तर–पश्चिमी प्रांत टार्टस में घात लगाकर किए गए हमले में अंतरिम आंतरिक मंत्रालय के 14 अधिकारी मारे गए और दस अन्य घायल हो गए। अंतरिम सरकार के मंत्री मोहम्मद अब्दुल रहमान ने यह जानकारी दी। मंत्रालय ने कहा कि मारे गए अधिकारी नागरिकों की सुरक्षा में तैनात थे। इस संबंध और कोई विवरण नहीं दिया गया है। इससे पहले बताया गया था कि टार्टस प्रांत में हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) के नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन के स्थानीय सशस्त्र निवासियों और सुरक्षा कर्मियों के बीच हिंसक झड़पें हुईं। सीरियन आब्जर्वेटरी फार ह्यूमन राइट्स की रिपोर्ट के अनुसार, लड़ाई खारबेट अल–मज्जा गांव में शुरू हुई जब स्थानीय लोगों ने सुरक्षा बलों की ओर से घर की जांच का विरोध किया। सशस्त्र निवासियों ने एचटीएस से संबंधित एक वाहन में आग लगा दी। सैन्य गठबंधन के लड़ाकों का एक बड़ा काफिला लताकिया प्रांत के पास के क्षेत्र की ओर जा रहा था। इसमें कहा गया कि उनका लक्ष्य सशस्त्र स्थानीय लोगों को पकड़ना है जिन्हें वे पिछले शासन से जुड़ा मानते हैं। वहीं, सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल–असद को देश छोड़कर भागना पड़ा।

किम जोंग को भारी पड़ रही पुतिन की मदद

रिपोर्ट

यूक्रेन ने पकड़ा उत्तर कोरियाई सैनिक, दक्षिण कोरिया ने किया कंफर्म

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सियोल। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध से उत्तर कोरिया के लिए बुरी खबर सामने आई है। यूक्रेन ने उत्तर कोरिया के एक सैनिक को पकड़ लिया है। किम जोंग ने रूस की मदद के लिए अपने सैनिक भेजे हैं। ये सैनिक यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूसी सेना की मदद कर रहे हैं। इन्हीं सैनिकों में से एक सैनिक घायल अवस्था में यूक्रेन के पास है। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। अब किम जोंग के लिए अपने सैनिक को सुरक्षित बाहर ला पाना बेहद मुश्किल होगा। प्योंगयांग ने रूस की सेना को मजबूत करने के लिए हजारों सैनिकों को तैनात किया है, जिसमें कुर्स्क सीमा क्षेत्र भी शामिल है, जहां यूक्रेन ने अगस्त में सीमा पर अचानक घुसपैठ की थी।

दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने एक बयान में कहा, एक घायल उत्तर कोरियाई सैनिक को पकड़ लिया गया है। दक्षिण कोरियाई खुफिया सूत्र ने एएफपी को बताया कि सैनिक को यूक्रेनी सेना ने पकड़ लिया है, साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि उसे कहां से पकड़ा गया, यह पता नहीं चल पाया है। शुक्रवार को यह पुष्टि यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के उस बयान के कुछ दिनों बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि अब तक लगभग 3,000 उत्तर कोरियाई सैनिक ष्मारे गए हैं या घायल हुए हैं क्योंकि वे रूसी सैनिकों के साथ युद्ध में शामिल हुए थे। दक्षिण कोरिया की खुफिया सेवा ने पहले उत्तर कोरियाई नागरिकों की मृत्यु या घायल होने की संख्या 1,000 बताई थी और कहा था कि इतनी अधिक हताहत दर का कारण युद्ध के लिए अपरिचित वातावरण तथा ड्रोन हमलों का मुकाबला करने की उनकी क्षमता का अभाव हो सकता है।

पिछले सप्ताह दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी द्वारा दी गई जानकारी के बाद बोलते हुए सांसद ली सियोंग–क्वेन ने कहा कि प्योंगयांग के सैनिकों को भी अग्रिम पंक्ति की हमलावर इकाइयों के रूप में उपयोग किया जा रहा है। फरवरी 2022 में यूक्रेन पर मास्को के आक्रमण के बाद से उत्तर कोरिया और रूस ने अपने सैन्य संबंधों को मजबूत किया है। जून में प्योंगयांग और मास्को के बीच हस्ताक्षरित एक ऐतिहासिक रक्षा समझौता इस महीने लागू हुआ, जिसे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एक महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया।

उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने शुक्रवार को कहा कि पुतिन ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को नववर्ष का संदेश भेजा है, जिसमें कहा गया है कि जून में प्योंगयांग में हमारी वार्ता के बाद हमारे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंध मजबूत हुए हैं। यूक्रेन के सहयोगियों ने यूक्रेन में रूस के युद्ध में प्योंगयांग की बढ़ती भागीदारी को संघर्ष का खतरनाक विस्तार कहा है।

टीटीपी ने पाकिस्तानी आर्मी से लिया हवाई हमले का खूनी बदला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज इस्लामाबाद। तहरीक ए तालिबान पाकिस्तान यानि टीटीपी के आतंकियों ने पाकिस्तानी सेना के हवाई हमले का खूनी बदला ले लिया है। टीटीपी ने कई जगहों पर पाकिस्तानी सेना पर जोरदार हमले किए।

टीटीपी का दावा है कि इन हमलों में कई पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। वहीं पाकिस्तानी सेना ने एक बयान जारी करके माना है कि टीटीपी की ओर से कई हमले हुए हैं और उसके मेजर रैंक के अधिकारी की उत्तरी वजीरिस्तान में मौत हो गई है। पाकिस्तानी सेना ने यह भी दावा किया कि 13 आतंकी मारे गए हैं। पाकिस्तानी सेना पर हमले की तस्वीरें सोशल मीडिया में शेयर की जा रही हैं। पाकिस्तानी सेना ने अपने बयान में कहा कि आतंकियों को करारा जवाब दिया जा रहा है। इस बीच पाकिस्तानी मीडिया ने खुलासा किया है कि तालिबानी आर्मी और पाकिस्तानी सेना के बीच बीती रात डंडे पट्टन कुर्रम सीमा पर जमकर गोलाबारी हुई है।

पाकिस्तानी मीडिया ने बताया कि तालिबान और पाकिस्ष्तानी सेना के बीच लड़ाई में अभी किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। दोनों तरफ से भारी हथियारों का इस्तेमाल भी किया जा रहा है।

हिंदू अमेरिकियों ने शुरू किया यूनुस से पूछें क्यों अभियान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सैन फ्रांसिस्को। बांग्लादेश में लगातार जारी हिंदू विरोधी हिंसा से नाराज हिंदू अमेरिकियों ने सिलिकान वैली में बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान यूनुस से पूछें क्यों शुरू किया है। अभियान के तहत कैलिफोर्निया के इस हिस्से में बड़े बड़े होर्डिंग्स और बिलबोर्ड लगाए गए हैं। यूनाइटेड हिंदू काउंसिल ने पहला बिलबोर्ड क्रिसमस से पहले ओकलैंड में 880–एन और मार्केट स्ट्रीट पर एक प्रमुख स्थान पर लगाया है। एक बयान में कहा गया है कि इस महत्वपूर्ण मुद्दे के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बातचीत को बढ़ावा देने के लिए अगले तीन महीनों में, सघना यातायात वाले क्षेत्रों और प्रमुख पुलों सहित छह प्रमुख स्थानों पर डिजिटल होर्डिंग संदेश प्रदर्शित करेंगे। बयान के अनुसार मोहम्मद यूनुस के शासन में बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा को बेहद अफसोसजनक बताया गया है।

भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी अब्दुल रहमान मक्की की पाकिस्तान में मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- मुंबई आतंकी हमले का मास्टरमाइंड था आतंकी मक्की

इस्लामाबाद। भारत के मोस्ट वांटेड आतंकवादी अब्दुल रहमान मक्की की मौत हो गई है। प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन जमात–उद–दावा का उप प्रमुख मक्की पाकिस्तान में रह रहा था। मुंबई हमले के मास्टरमाइंड मक्की की शुक्रवार को लाहौर में मौत हो गई। जमात–उद–दावा के अनुसार मक्की पिछले काफी दिनों से बीमार चल रहा था और लाहौर के एक निजी अस्पताल में उसका उसका इलाज चल रहा था। शुक्रवार सुबह मक्की को दिल का दौरा पड़ा और उसकी मौत हो गई।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार आतंकी अब्दुल रहमान मक्की को जनाजे की नमाज के बाद शुक्रवार को शाम को 5रू15 बजे दफनाया जाएगा। अब्दुल रहमान मक्की आतंकी संगठन जमात–उद–दावा के प्रमुख हाफिज सईद का करीबी रिश्तेदार और समूह का डेप्युटी लीडर था। मुंबई पर आतंकी हमले के बाद संयुक्त राष्ट्र ने मक्की के ऊपर प्रतिबंध लगाते हुए उस पर 20 लाख अमेरिकी डॉलर का इनाम रखा था।

साल 2023 में संयुक्त राष्ट्र ने मक्की को अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी घोषित किया था। इसके पहले साल 2020 में आतंकी फंडिंग मामले में पाकिस्तान की एंटी टेररिज्म कोर्ट ने मक्की को 6 महीने के लिए जेल में भेजा था। आतंकी फंडिंग मामले में सजा सुनाए जाने के बाद से ही जमात–उद–दावा का उप प्रमुख खुद को लो प्रोफाइल रखे हुए था और सार्वजनिक रूप से बहुत कम नजर आता था।

पाकिस्तान मुत्तहिदा मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) ने एक बयान में कहा कि मक्की पाकिस्तान की विचारधारा का समर्थक था। मक्की ने मुंबई आतंकी हमलों के लिए आतंकियों को धन और संसाधन मुहैया कराए थे, जिसमें 166 लोग मारे गए थे। इस दौरान 9 आतंकी मारे गए थे, जबकि एक आतंकी अजमल कसाब का जिंदा पकड़ा गया था।

चीन ने दुनिया को दिखाए 2 रहस्यमय विमान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। चीन की विमान बनाने वाली दो कंपनियों ने गुरुवार को 24 घंटे से भी कम समय में स्टील्थ (राडार से छुपने वाले) लड़ाकू विमानों के प्रदर्शनकारी मॉडल दिखाए। ये कोई साधारण मॉडल नहीं थे। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि ये छठी पीढ़ी के विमानों के मॉडल हो सकते हैं। चेंगदू और शेनयांग कंपनियों के ये अलग–अलग डिजाइन अब तक के सबसे आधुनिक मानव–युक्त लड़ाकू विमानों में से एक हो सकते हैं। चीनी सेना आमतौर पर दिसंबर या जनवरी में अपनी नई तकनीक दिखाती तेरह साल बाद, अब पीएलए वायुसेना में सैकड़ों जे–20 सक्रिय सेवा में हो सकते हैं। लगभग एक ही समय पर दो अलग–अलग मानव–युक्त स्टील्थ फाइटर जेट को उड़ान भरते हुए देखा गया। चेंगदू मॉडल के साथ एक जे–20 एस्कॉर्ट था। दोनों नए मॉडल बिना पूंछ वाले डेल्टा आकार के हैं।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

केंद्रीय टीम ने लिया टीबी मुक्त अभियान का जायजा

क्षेत्र भ्रमण कर देखी 100 दिवसीय नि-क्षय शिविर अभियान की गतिविधियां

जायजा

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। 100 दिवीय नि–क्षय शिविर अभियान के अनुश्रवण के सिलसिले में जनपद पहुंची सेंट्रल टीबी डिवीजन की टीम ने चिकित्सालय इकाईयों व क्षेत्र में आयोजित शिविरों का निरीक्षण कर अभियान का जायजा लिया। इस दौरान जिला चिकित्सालय स्थित डीटीसी में आयोजित बैठक में केंद्रीय टीम द्वारा अभियान की विस्तृत समीक्षा करते हुए जरूरी सुझाव दिए।

नेशनल कंसल्टेंट, सीटीडी डॉ. रनजीत, डब्ल्यूएचओ कंसल्टेंट डॉ. अरविंद ने गुरुवार को डीटीसी जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जखोली, आयुष्मान आरोग्य मंदिर जाखाल तथा जखोली ब्लाक के दूरस्थ क्षेत्र पौंठी में आयोजित नि–क्षय शिविर का स्थलीय भ्रमण कर 100 दिवसीय नि–क्षय शिविर अभियान के तहत होने वाली गतिविधियों के दौरान

जाने वाली सेवाओं का मूल्यांकन किया। साथ ही अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ बैठक कर अभियान की समीक्षा करते हुए रिपोर्टिंग बढाने, जागरूकता व प्रचार–प्रसार गतिविधि तथा जनभागीदारी बढाने के सुझाव रखे।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राम प्रकाश द्वारा बताया गया कि स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में गत 07 दिसंबर से शुरू हुए 100 दिवसीय नि–क्षय शिविर अभियान के तहत टीबी रोग को लेकर संवेदनशील आबादी जैसे पूर्व से टीबी से पीड़ित मरीज, टीबी रोगियों के घरेलू संपर्क जनों, 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के व्यक्तियों, कुपोषितों, धूम्रपान करने वाले व्यक्ति व मधुमेह से पीड़ित व्यक्तियों में अब तक आयोजित 123 शिविरों में 6390 लोगों की जांच की गई।

अभियान के दौरान 1299 की एक्सरे व 258 की बलगम जांच की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि आगामी 24 मार्च तक चलने वाले इसक अभियान के तहत टीबी रोगियों को खोजने का प्रयास तेज करते हुए अभियान की समय–समय पर समीक्षा की जा रही है। बताया कि आशा कार्यकत्री द्वारा टीबी रोग को लेकर संवदेनशील समूह की सूची तैयार की गई है, जिसके आधार पर एनटीईपी व सामुदायिक स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। साथ ही हंस फाउंडेशन द्वारा संचालित 05 मोबाइल मेडिकल वैन, हेल्पेज इंडिया की 01 मोबाइल मेडिकल वैन व सी–19 हैंड हेल्ड एक्स–रे टीम के माध्यम से रेलवे व सड़क मार्ग सहित अन्य निर्माण साइट, हॉस्टल में भी यह अभियान निरंतर चलाया जा रहा है।

क्षेत्र भ्रमण के दौरान सहायक निदेशक स्टेट एटीपी एनएचएम डॉ. आदित्य सिंह, जिला क्षय अधिकारी डॉ. कुणाल चौधरी, स्टेट कार्डिनेटर सूरज रावत, जिला समन्वयक मुकेश बगवाड़ी आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

अधिकारियों, कर्मचारियों की मुख्यालय पर उपस्थिति अनिवार्य

संवाददाता चमोली। नगर निकाय चुनावों के मद्देनजर समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों की मुख्यालय पर उपस्थिति अनिवार्य कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी ने इस संबंध में निर्देश जारी करते हुए कहा है कि निर्वाचन को निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से सम्पादित करने हेतु आदर्श आचार संहिता लागू कर दी गयी है। जो कि निर्वाचन की समाप्ति तक रहेगी। निर्वाचन अवधि में कोई भी अधिकारी कर्मचारी बिना पूर्व अनुमति के मुख्यालय नहीं छोडेंगे। और यदि कोई अधिकारी अवकाश पर हो तो अबिलम्ब अपनी उपस्थिति अपने मुख्यालय में देना सुनिश्चित करेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी पंचस्थानी सौरभ गहरवार ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी पंचस्थानी सौरभ गहरवार ने नगर निकाय निर्वाचन को सफलतापूर्वक एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने के लिए नगर पालिका परिषद रुद्रप्रयाग एवं नगर पंचायत तिलवाड़ा हेतु तहसील कार्यालय रुद्रप्रयाग में बनाए गए नामांकन कक्ष तहसील रुद्रप्रयाग में एवं नगर पंचायत अगस्त्यमुनि हेतु विकास खंड अगस्त्यमुनि में बनाए गए नामांकन कक्षों का निरीक्षण कर निर्वाचन प्रक्रिया संपादित कराने के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने रिटर्निंग अधिकारी एवं सहायक रिटर्निंग अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि निकाय चुनाव में निर्वाचन लड़ रहे प्रत्याशियों को कोई असुविधा एवं परेशानी न हो इसके लिए राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा–निर्देशानुसार ही निर्वाचन प्रक्रिया को संपादित किया जाए।

पुरोला निकाय चुनाव में आरक्षित सीट पर 8 उम्मीदवार कर चुके है दावेदारी

संवाददाता पुरोला। पुरोला नगर पालिका परिषद में जंहा सामान्य महिला के स्थान पर 23 दिसम्बर को रोस्टर में परिवर्तन होने से अनुसूचित जाति आरक्षित सीट होने पर सामान्य वर्ग के उम्मीदवारों के सपने धरासायी हुये वंही सीट आरक्षित होने पर अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों की लंबी कतार खड़ी दिख रही है। सोशल मीडिया में मानो उम्मीदवारी की होड़ सी लग गयी है इसके अलावा दावेदार दमखम से नगर क्षेत्र में घर घर उम्मीदवारी का पैगाम पंहुचाने के लिए रात दिन लगे हैं वंही सामान्य वर्ग में चुनाव को लेकर अधिक उत्सुकता देखने को नही मिल रही है। सोशल मीडिया में अब तक नगर के वार्ड 01 पुरोला गांव सहित पुरोला बाजार के विभिन्न वार्डों से कुल 8 उम्मीदवार अध्यक्ष पद पर चुनावी दंगल में ताल ठोक चुके हैं कितने प्रत्यासी नामांकन कर चुनावी मैदान में अंत तक जमे रहते हैं यह समय की गर्त में है जबकि शुक्रवार तक अध्यक्ष पद के लिए केवल 4 आवेदन ही लिए गए हैं।

बिना पूर्व अनुमति जुलूस व सार्वजनिक बैठक प्रतिबंधित

संवाददाता रुद्रप्रयाग। जनपद में नागर स्थानीय निकाय सामान्य निर्वाचन 2024–25 की अधिसूचना जारी होने की तिथि से मतगणना समाप्ति तक आदर्श आचार संहिता प्रभावी हो गई है। जिला मजिस्ट्रेट सौरभ गहरवार ने चुनाव में असामाजिक एवं अवांछनीय तत्वों द्वारा सांप्रदायिक एवं जातिगत भावनाओं को उद्वेलित कर परिशांति भंग करने एवं लोक परिशांति के विक्षुब्ध किए जाने की संभावना के दृष्टिगत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023 की धारा–163 के प्राविधानों के तहत निषेधाज्ञाएं जारी की हैं।

जनपद में आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने के साथ ही जिला मजिस्ट्रेट सौरभ गहरवार के आदेश पर जनपद में किसी भी सार्वजनिक स्थल पर कोई भी सभा या बैठक का आयोजन संबंधित रिटर्निंग ऑफिसर अथवा सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की बिना पूर्व अनुमति के नहीं की जा सकेगी।

इसके अलावा किसी प्रत्याशी अथवा उनके समर्थकों द्वारा चुनाव प्रचार हेतु ध्वनि विस्तारक यंत्रों का प्रयोग भी प्रतिबंधित रहेगा। किसी सार्वजनिक स्थान पर पांच या उससे अधिक व्यक्तियों का समूह बिना अनुमति के नहीं बनाएगा और न ही ऐसे समूह में शामिल होगा। आदर्श आचार संहिता के प्रभावी होने पर किसी व्यक्ति द्वारा किसी भी सार्वजनिक स्थान पर लाठी, बल्लम, चाकू, तलवार या भाला अथवा आग्नेयास्त्र आदि लेकर नहीं चलेगा और न ही अपने पास रखेगा। कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक स्थान पर किसी के प्रति न तो अपमानजनक भाषा का प्रयोग करेगा और न ही ऐसे नारे लगाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली सभी नोडल अधिकारियों की बैठक

संवाददाता चमोली। जिले में निकाय चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप तिवारी ने निर्वाचन व्यवस्थाओं से जुड़े सभी नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने नामित सभी नोडल एवं सहायक नोडल अधिकारियों को अपने दायित्वों का त्रुटिरहित निर्वहन करने और आर्दश आचार संहित का पूर्णतः अनुपालन सुनिश्चित करते हुए निर्वाचन से जुड़े सभी कार्यो को समयानुसार पूरा करने के निर्देश दिए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी नोडल अधिकारी अपने दायित्वों से संबंधित राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी गाइडलाइन का भलीभांति अध्ययन कर लें। निकाय चुनाव के सफल संपादन हेतु शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था, वल्नेरेबिलिटी मैपिंग, मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण, पोलिंग पार्टियों का रूट चार्ट, कम्युनिकेशन प्लान, सामान का रेट चार्ट, टेंट, वेरिकेटिंग, जलपान, भोजन आदि व्यवस्थाओं के लिए समय से तैयारियां पूरी की जाए।

निकाय चुनाव को लेकर जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट को दिया प्रशिक्षण

संवाददाता

चमोली। चमोली जिले में निकाय चुनाव को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न कराने हेतु 10 जोन और 17 सेक्टर में विभाजित करने के साथ ही जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। मास्टर ट्रेनर द्वारा शुक्रवार को सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को निर्वाचन कार्यो एवं दायित्वों का प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें आयोग द्वारा जारी दिशा निर्देशों, नियमों एवं प्रपत्रों की जानकारी दिए जाने के साथ आदर्श आचार संहिता का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के नोडल अधिकारी आनंद सिंह ने नियुक्त सभी मजिस्ट्रेट को मतदान से पूर्व अपने–अपने क्षेत्रों का स्थलीय भ्रमण कर मतदान केन्द्रों

पर बिजली, पानी, शौचालय, रैम्प, फर्नीचर, मतदाता सूची, संचार आदि बेसिक सुविधाओं की पूरी जानकारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील और अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों पर प्रतिदिन होने वाली गतिविधियों पर नजर रखी जाए। मतदेय स्थलों पर मोबाइल नेटवर्क, पहुंच मार्ग एवं सुगम रास्तों का निरीक्षण किया जाए। पोलिंग बूथ का रूट चार्ट तैयार करते हुए रूट चार्ट अनुसार पोलिंग पार्टियों का मूवमेंट कराया जाए। इस दौरान जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट को मतदान सामग्री स्थल सामग्री प्राप्त करने, मतदान दिवस और मतदान समाप्ति पर किए जाने वाले कार्यो एवं दायित्वों का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया।

निकाय चुनाव के लिए स्पोर्ट्स स्टेडियम गोपेश्वर से मतदान सामग्री वितरण एवं पोलिंग पार्टियों की रवानगी होगी। मतदान समाप्ति के बाद सभी पोलिंग पार्टियों को राबाइका गोपेश्वर में बनाए गए स्ट्रांग रूम में मतदान सामग्री जमा करानी होगी। जनपद में 10 निकाय क्षेत्र के 64 वार्डो में 80 मतदेय स्थल बनाए गए है। जनपद की सभी निकायों में 25997 महिला, 27894 पुरुष तथा 03 अन्य मतदाता सहित कुल 53894 मतदाता पंजीकृत है।

मनमोहन सिंह के निधन पर आयोजित की श्रद्धांजलि सभा

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कावली रोड पर शुक्रवार को एक श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। इस मौके पर देश के भूतपूर्व प्रधानमंत्री सरदार मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा दुख प्रकट किया गया। वक्ताओं ने कहा कि आज हमने एक महान अर्थशास्त्री को हमेशा के लिए को दिया है जिनकी पूर्ति होना असंभव है और कहा कि ऐसे इंसान सदियों में पैदा होते हैं वह सादगी, सज्जनता और नम्रता की एक मिसाल थे। संस्था के आरिफ वारसी और प्रभात डंडरियाल ने कहा कि आज एक ऐसी शख्सियत दुनिया से विदा हो गई और देश का बहुत बड़ा नुकसान हुआ है जिनको के हम सभी भारतवासी दिल से प्रेम करते थे। वह एक ऐसे इंसान व प्रधानमंत्री थे जिन्होंने निर्विवाद अपना कार्यकाल पूरा किया

सहयोग पर जोर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान हुई मुलाकात के बाद से मतभेद दूर करने की प्रक्रिया में जो तेजी आई, उसका असर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बने माहौल पर भी दिखा।

रहीस सिंह।।

भारत और चीन के बीच बुधवार को हुई विशेष प्रतिनिधियों की बातचीत में बनी सहमति इस बात का ठोस संकेत है कि दोनों देशों के रिश्तों में पिछले चार साल से आया ठहराव धीरे–धीरे दूर हो रहा है। हालांकि यह प्रक्रिया अभी शुरुआती चरण में है और इससे जुड़े कई किंतु–परंतु कायम हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर बैठक के दौरान हुई मुलाकात के बाद से मतभेद दूर करने की प्रक्रिया में जो तेजी आई, उसका असर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर बने माहौल पर भी दिखा। पांच साल के अंतराल पर हुई विशेष प्रतिनिधियों की बैठक में सहमतियों पर अमल की तो पुष्टि हुई ही, यह संकेत भी मिला कि अब दोनों पक्ष इससे आगे बढ़ने को तैयार हैं। बॉर्डर ट्रेड, ट्रांस बॉर्डर नदियों पर डेटा शेयरिंग और मानसरोवर यात्रा की संभावनाएं वाकई उत्साह बढ़ाने वाली हैं।

जैसे–जैसे सीमा संबंधी मसलों पर सहमति बन रही है और वहां माहौल सामान्य होने की तरफ बढ़ रहा है, दोनों देशों के रुख में सहयोग पर जोर भी बढ़ता जा रहा है। ध्यान रहे, चीन का काफी समय से आग्रह रहा है कि एलएसी से जुड़े मसलों को एक तरफ करके सहयोग बढ़ाया जाए, लेकिन भारत अपने इस रुख पर अडिग रहा कि जब तक एलएसी पर हालात सामान्य नहीं होते, रिश्ते सामान्य नहीं हो सकते। ऐसे में यह गौर करने वाली बात है कि अब भारत की तरफ से भी सहयोग का दायरा बढ़ाने की संभावना पर पॉजिटिव रुख दर्शाया जा रहा है। इस बात को भी कुछ हलकों में रेखांकित किया गया है कि संबंधों में सुधार और बातचीत में प्रगति को व्यक्त करने के दोनों पक्षों के तरीकों में पूरी तरह समानता नहीं है। मिसाल के तौर पर, बातचीत के बाद दोनों तरफ से जो अलग–अलग बयान जारी किए गए, उनमें अंतर है। जहां चीन के बयान में स्पष्ट शब्दों में सर्वसम्मति के छह बिंदु गिनाए गए हैं, वहीं भारत के बयान में इन्हें सर्वसम्मति करार देने से बचा गया है।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय की ओर से जारी पेंटागन की सालाना रिपोर्ट की यह बात भी गौर करने लायक है कि चीन ने न तो गलवान घाटी में जून 2020 को हुई सैन्य झड़प के बाद इस क्षेत्र में बढ़ाई गई सैन्य तैनाती में कोई कमी की है और न ही टैंकों, मिसाइलों व अन्य भारी हथियारों की संख्या में कोई कटौती की है। हालांकि अभी उस इलाके से सैन्य वापसी की प्रक्रिया शुरू होनी बाकी है, लेकिन फिर भी चीन के पिछले रेकॉर्ड को देखते हुए सतर्क रहने की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता।

प्राणों की रक्षा

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। जिसे उन्होंने दोबारा से नदी में छोड़ दिया, लेकिन तभी मछली बोली कि श्हे राजन इस जल में बड़े–बड़े जीव रहते हैं, जो छोटे जीवों को मारकर खा जाते हैं। कृपया मेरे प्राणों की रक्षा करें। तब सत्यव्रत के हृदय में उस मछली के लिए दया भाव आ गया, जिस वजह से वह उसे अपने कमंडल में डालकर अपने साथ ले आएं। अगली सुबह राजा की आंख खुली, तो उन्होंने देखा कि मछली का स्वरूप इतना बड़ा हो चुका था कि कमंडल भी छोटा पड़ने लगा था। तब मछली बोली कि श्राजा मेरे रहने के लिए कोई और स्थान हो तो कृपया ढूंढिए। मैं इसमें नहीं रह पा रही हूं। तब सत्यव्रत ने मछली को कमंडल से निकालकर एक पानी से भरे बड़े मटके में डाल दिया। कुछ समय के बाद ही फिर मछली के लिए जगह छोटी पड़ने लगी और राजा उसके लिए नए– नए स्थान की तलाश करने लगें। ....शेष कल

संपादकीय

कई देशों की नजर

21वीं सदी में ग्रीनलैंड पर रूस, अमेरिका और चीन की नजर लग गई। एक तो ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति ऐसी है, जहां से कई देशों पर नजर रखी जा सकती है। दूसरा, वहां का मिनरल्स का खजाना ऐसा है कि जिससे दशकों तक राज किया जा सकता है। 1261 में ग्रीनलैंड में नॉर्स बस्तियां बसनी शुरू हुईं, जिसके मालिक नॉर्वे के लोग थे। 1721 से ग्रीनलैंड में डेनमार्क और नॉर्वे से ईसाई मिशनरीज वहां जाने लगे। 1814 में कील की संधि से ग्रीनलैंड नॉर्वे से डेनमार्क को मिल गया। बाद में अमेरिका इस क्षेत्र पर अपना दावा करने लग गया। बाद में 1953 में अमेरिका ने ऑपरेशन ब्लू रे के तहत ग्रीनलैंड में थुले एयरबेस बना दिया। 1867 से ही अमेरिका ने डेनमार्क से ग्रीनलैंड द्वीप खरीदने के लिए कई प्रस्ताव दे चुका है। उसने 1917 में डेनिश वेस्ट इंडीज के साथ यही किया था। हालांकि, ग्रीनलैंड डेनमार्क साम्राज्य के भीतर एक स्वायत्त क्षेत्र बना हुआ है, लेकिन 1951 की संधि ने अमेरिका को उस द्वीप पर अधिक नियंत्रण प्रदान किया है, जिस पर उसने कभी खनन करने का आंशिक दावा किया था।

जो बाइडन प्रशासन ने कहा कि अमेरिका अब पूरे आर्कटिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर राजदूतों को कायम करेगा। वहीं, यूरोपीय आयोग ने भी 2023 की शुरुआत में ग्रीनलैंड में एक ऑफिस बना दिया।

नई आर्कटिक स्ट्रैटेजी का ऐलान

दीप्ति मिश्रा।।

साल 2022 के अक्टूबर की बात है, जब अमेरिका ने आर्कटिक में चीन जैसी बढ़ती प्रतिस्पर्धा का हवाला देते हुए अपनी नई आर्कटिक स्ट्रैटेजी का ऐलान किया। जो बाइडन प्रशासन ने कहा कि अमेरिका अब पूरे आर्कटिक क्षेत्र में बड़े पैमाने पर राजदूतों को कायम करेगा। वहीं, यूरोपीय आयोग ने भी 2023 की शुरुआत में ग्रीनलैंड में एक ऑफिस बना दिया। यहीं से अमेरिका ने चीन को इस पूरे इलाके से बाहर करने की रणनीति अपनाई। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एक बयान में ग्रीनलैंड पर फिर से नियंत्रण की बात कही है। जानते हैं दुनिया के बर्फीले छोर पर स्थित ग्रीनलैंड की पूरी कहानी।

ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है। ध्रुव पर स्थित होने की वजह से यहां हर साल दो महीने तक लगातार दिन का उजाला रहता है। यानी नॉर्वे, फिनलैंड की तरह ही यहां 2 महीने तक रात ही नहीं होती है। उत्तरी अमेरिका महाद्वीप का एक हिस्सा होने के बावजूद ग्रीनलैंड 9वीं शताब्दी से ही राजनीतिक और सांस्कृतिक रूप से यूरोप विशेष रूप से दो औपनिवेशिक शक्तियों नॉर्वे और डेनमार्क से जुड़ा हुआ है। फिलहाल, यह डेनमार्क का स्वायत्तशासी हिस्सा है, जिसकी अपनी संसद है। यहां दुनिया का 10

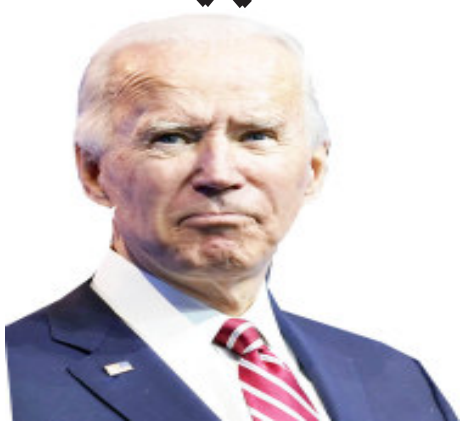

फीसदी ताजे पानी का भंडार है।

डेनमार्क ग्रीनलैंड के बजट राजस्व का दो–तिहाई योगदान देता है। ग्रीनलैंड का मुख्य राजस्व मछली पकड़ने से आता है। तेल, गैस, गोल्ड और यूरेनियम जैसे दुर्लभ खनिज भंडार ने दुनिया भर के देशों को ग्रीनलैंड की ओर आकर्षित किया है। जैसे–जैसे ग्लोबल वार्मिंग के कारण आर्कटिक की बर्फ पिकघलती जा रही है, वैसे–वैसे ग्रीनलैंड के खनिज और एनर्जी रिसोर्स यानी लौह अयस्क, सीसा, जस्ता, हीरा, सोना, यूरेनियम जैसे रेयर मिनरल्स और पेट्रोलियम–गैस की माइनिंग बढ़ रही है। इस द्वीप का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा 4 किमी मोटी स्थायी बर्फ की परत से ढका हुआ है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण यह पिघल रहा है, लेकिन इससे ग्रीनलैंड के खनिज संसाधनों तक पहुंच भी बढ़ गई है।

ग्रीनलैंड में कई तरह के बहुमूल्य खनिज, दुर्लभ धातुएं, बहुमूल्य धातुएं, बहुमूल्य पत्थर, कोयला, ग्रेफाइट और यूरेनियम पाए जाते हैं। ग्रीनलैंड 1700 के दशक के उत्तरार्ध से ही खनन करने वाला देश रहा है, जहां नुसौक प्रायद्वीप के कारसुत में कोयले की खुदाई की जाती थी। कोयले के अलावा, खनन में सोना, चांदी, तांबा, सीसा, जस्ता, ग्रेफाइट, ओलिवाइन, क्रायोलाइट और संगमरमर भी शामिल हैं। हाल के वर्षों में कई खदानें बंद कर दी गई हैं, जिनमें मणित्सोक के पास सेकी ओलिवाइन खदान शामिल है। इसे 2011 में बंद कर दिया गया था। इसी तरह नैनोर्टालिक के पास नलुनाक सोने की खदान को 2013 में बंद कर दिया गया था। अमेरिका ने लंबे समय से ग्रीनलैंड को रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना है और शीत युद्ध की शुरुआत में थुले में एक रडार बेस स्थापित किया था। द्वितीय विश्व युद्ध और शीत युद्ध के दौरान इस क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य मौजूदगी रही है। यहां के थ्यूल में अमेरिका ने अपना रडार स्टेशन बनाया है, जो मिसाइल रक्षा और अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए आवश्यक है। अमेरिका ने पहले ही डेनमार्क को साफ कर दिया है कि वह ग्रीनलैंड में चीनी निवेश को बर्दाश्त नहीं करेगा।

सूडोकु नवताल- 5351

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -5350 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

अपना ब्लॉग

चीन के पोलर सिल्क रोड बनाने से अमेरिका के कान हो गए खड़े

मोहन। चीन ने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के तहत आर्कटिक में पोलर सिल्क रोड बनाने की योजना बनाई है। चीन की इस घोषणा से डेनमार्क और अमेरिका के कान खड़े हो गए। हर किसी को यह लगने लगा कि बीजिंग संसाधन समृद्ध महज 56 हजार की आबादी वाले ग्रीनलैंड में पैर जमा सकता है। वैसे भी डेनमार्क किंगडम में ग्रीनलैंड की आजादी की आवाजें दिनोंदिन बढ़ ही रही हैं। चीन अब भी ग्रीनलैंड के राजनेताओं को चीन आने का न्यौता दे रहा है। वह ऐसे नेताओं को निमंत्रण दे रहा है, जो डेनमार्क सरकार में कुजाउकिट्सोक और खनिज संसाधन मंत्री हैं। हालांकि, ग्रीनलैंड के लोग चीन के साथ संबंधों को बहुत बुरा नहीं मानते हैं। हालांकि, चीन ने डेब्ट ट्रैप डिप्लोमेसी यानी कर्ज दो और फांस लो की नीति अपनाकर श्रीलंका को बर्बाद कर दिया है। मगर, चीन आज भी ग्रीनलैंड के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक बना हुआ है। चीन डेनिश डिफेंस की ओर से छोड़े गए एक पुराने समुद्री स्टेशन को भी खरीदना चाहता था, लेकिन इस पर अमेरिका ने रोक लगा दी। 2019 में, चाइना कम्युनिकेशंस कंस्ट्रक्शन कंपनी ने दो एयरपोर्ट बनाने के लिए अपनी बोली वापस ले ली। ये एयरपोर्ट ग्रीनलैंड की राजधानी नूक में और दूसरा इलुलिसैट में बनाया जाना था।

अनुपम मित्तल और अमन गुप्ता ने पड़ोसी देश का उड़ाया मजाक

शार्क टैंक इंडिया के अलावा पाकिस्तान में भी ऐसा ही शो शुरू हो गया है। अनुपम मित्तल और अमन गुप्ता ने हाल ही में शरण हेगड़े के साथ बातचीत के दौरान रियलिटी शो के पाकिस्तानी वर्जन का मजाक उड़ाया। शादी.कॉम के संस्थापक अनुपम मित्तल और बोट इलेक्ट्रॉनिक्स के अमन गुप्ता ने हेगड़े के साथ बातचीत के दौरान शार्क टैंक पाकिस्तान के बारे में बातें कीं और खूब मजे भी लिए। यह बात तब सामने आई जब शरण हेगड़े ने दोनों से श्शार्क टैंक पाकिस्तानश के बारे में उनकी राय पूछी। सवाल सुनते ही अनुपम मित्तल जोर–जोर से हंसने लगे। उन्होंने कहा, श्भाई हो क्या रहा है वहां पे? अमन गुप्ता ने कहा कि उन्होंने शो को पूरा नहीं देखा था लेकिन केवल कुछ पार्ट देखे थे जिन्हें उन्होंने दिलचस्प बताया। हालांकि, शार्क टैंक इंडिया के दोनों जजों ने शो में एक कंटेस्टेंट के 300 करोड़ की मांग पर कटाक्ष किया, जो पिछले महीने वायरल हो गया था। वे एक बुजुर्ग का जिक्र कर रहे थे जो हाल ही में शार्क टैंक पाकिस्तान पर 3 प्रतिशत इक्विटी के बदले में 300 करोड़ की मांग कर रहा था। इसके बाद शार्क टैंक पाकिस्तान के जज चौंक गए। मजा तो तब आया जब कंटेस्टेंट ने कहा कि यह पैसे उनके लिए कम होने चाहिए थे और उन्हें चौंकना नहीं चाहिए। अनुपम मित्तल और अमन गुप्ता ने 300 करोड़ की मांग को बेतुका बताते हुए शार्क टैंक पाकिस्तान पर निशाना साधा। अनुपम मित्तल ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मैंने कुछ क्लिप देखी हैं और बहुत हंसा हूं।

टीवी एक्ट्रेस गर्लफ्रेंड संग समंदर में डूबते–डूबते बचे रणवीर अल्लाहबादिया

यूट्यूबर रणवीर अल्लाहबादिया उर्फ बीयरबाइसेप्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक चौंकाने वाली बात बताई है। उन्होंने हाल ही में गोवा में मौत के करीब होने का अनुभव किया जब वो और उनकी गर्लफ्रेंड स्विमिंग के लिए गए। अपनी सोशल मीडिया स्टोरी पर घटना शेयर करते हुए, रणवीर ने बताया कि वे लगभग डूब गए थे और उन्हें एक आईपीएस ऑफिसर और उनकी आईआरएस पत्नी ने बचाया। पॉडकास्ट होस्ट ने कहा कि वह अपनी गर्लफ्रेंड के साथ समंदर में तैरने गए। दोनों पानी की धारा में बह गए। बता दें कि रणवीर टीवी एक्ट्रेस निक्की शर्मा को डेट कर रहे हैं लेकिन उन्होंने अब तक उनका चेहरा नहीं दिखाया है। उन्होंने लिखा, गोवा की ओर से आप सभी को मेरी क्रिसमस। यह मेरे जीवन का सबसे अजीब क्रिसमस रहा है। हम अब बिल्कुल ठीक हैं। लेकिन कल शाम 6:00 बजे, मुझे और मेरी गर्लफ्रेंड को बड़ी स्थिति से बचाना पड़ा।

दोसांझ के गानों के गीतकार हरमनजीत को जान से मारने की धमकी

पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री से एक चिंताजनक खबर सामने आई है। लॉन्ग लाची जैसे सुपरहिट पंजाबी गानों के सॉन्गराइटर हरमनजीत सिंह ख्याला से फिरौती मांगी गई है। हरमनजीत ने रानी तत नाम से किताब भी लिखी है और राष्ट्रीय पुरस्कार भी जीत चुके हैं। गीतकार ने धमकी और फिरौती मांगे जाने के बाद पलिस में एफआईआर दर्ज करवाई है, जिसके बाद एक स्कूल टीचर को गिरफ्तार किया गया है। हरमनजीत सिंह ख्याला ने मानसा सदर थाने में शिकायत दी है। इसमें कहा है कि उनसे 5 लाख रुपये की फिरौती मांगी गई है। मानसा के डीएसपी बूटा सिंह गिल ने मीडिया को बताया, गीतकार हरमनजीत सिंह द्वारा पुलिस को एक शिकायत मिली थी। उन्ह्हें एक धमकी भरी चिट्ठी मिली, जिसमें 5 लाख की फिरौती मांगी गई है। फिरौती न देने की सूरत पर उन्हें जान से मार देने की धमकी भी दी गई है। बूटा सिंह गिल ने आगे कहा, श्मानसा की सदर पुलिस ने मामले में एफआईआर दर्ज कर तुरंत जांच शुरू कर दी। इसके बाद एक टीचर को गिरफ्तार किया गया है। गीतकार हरमनजीत सिंह ख्य्याला, मानसा जिले के गांव कोटललू में शध्क्षिक के रूप में भी तैनात हैं। उनके लिखे गए अधध्कितर गाने सिंगर दिलजीत दोसांझ ने गाए हैं। कई पंजाबी फिल्मों के लिए भी हरमनजीत ने गाने लिखे हैं। दिलजीत का गाना आर नानक पार नानक के बोल भी हरमनजीत सिंह ख्याला ने ही लिखे हैं।

प्रियंका चाहर चौधरी ने आज की रात पर किया गजब का डांस

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

क्रिसमस का जश्न खुशी, हंसी और खास पलों को लेकर आता है। इस बीच एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी ने हाल ही में एक पार्टी में डांस करके चार चांद लगा दिया। इवेंट का एक वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें प्रियंका अपनी सिग्नेचर एनर्जी और ग्रेस के साथ तमन्ना भाटिया के हिट नंबर आज की रात पर थिरकती नजर आ रही हैं। फिर वह अपने दोस्त और राजीव अदातिया को डांस स्टेप्स सिखाती देखी गईं, जिन्होंने उनके साथ डांस मैच कराने की पूरी कोशिश की। दोनों के बीच इस फन को देखकर फैंस खुश हो गए।

सितारों से सजी पार्टी में हुए शामिल

प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता गौहर खान, कनिका मान और बाकी लोगों के साथ सितारों से सजी क्रिसमस पार्टी में शामिल हुए। प्रीति सिमोस ने पार्टी की झलकियां शेयर कीं। इंडस्ट्री की हॉट एक्ट्रेस प्रियंका चाहर चौधरी को फेमस शो उडारियां के लिए जाना जाता है, जहां उन्होंने तेजो संधू के रोल से लोगों के दिलों में जगह बना लिया था।

प्रियंका चाहर चौधरी का डांस

शो में उनकी परफॉर्मेंस को आज तक लोग याद करके हैं। इसके बाद से ही वो एक घरेलू नाम भी बन गईं। उडारियां में अपनी सफलता के बाद, प्रियंका रियलिटी शो बिग बॉस 16 में दिखाई दीं, जहां उनके सीधे स्वभाव, मजबूत राय और इंप्रेसिव व्यक्तित्व ने उन्हें बड़े पैमाने पर फैनबेस दिया।

कहां से शुरू हुआ सफर

इंडस्ट्री में उनका सफर सावधान इंडिया और गठबंधन जैसे शोज

के साथ शुरू हुआ, लेकिन प्रियंका लगातार आगे बढ़ती चली गईं। समय के साथ, वह अपने टैलेंट और दर्शकों के साथ जुड़ने के कारण दर्शकों के बीच पसंदीदा बन गई हैं। एक्टिंग से लेकर मजेदार डांस परफॉर्मेंस तक, प्रियंका ने साबित कर दिया है कि वह यह सब कर सकती हैं।

फैंस को पसंद आया प्रियंका का डांस

जैसे ही उनके क्रिसमस पार्टी डांस का वीडियो ऑनलाइन वायरल हुआ, फैंस ने खुश होकर प्रियंका के लिए चीयर किया। ऑन–स्क्रीन हो या ऑफ–स्क्रीन, प्रियंका चाहर चौधरी अपनी खूबसूरती और जिंदादिली से दिलों पर राज करती रहती हैं।

ट्विंकल खन्ना की दो टूक– नितारा का स्किन कलर गोल्डन है

ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार की शादी 2001 में हुई थी। उनके दो बच्चे हैं – आरव और नितारा। आरव ने विदेश में पढ़ाई की है, जबकि नितारा को अभी सोशल मीडिया से दूर रखा गया है।

ट्विंकल ने हाल ही में समाज में मौजूद रूढ़ियों के बारे में बात की। उन्होंने अपने बच्चों के स्किन कलर की तुलना पर चुप्पी तोड़ी है और करारा जवाब दिया है। ट्विंकल खन्ना ने बताया कि कैसे उनके बेटे आरव और बेटी नितारा की त्वचा के रंग के बीच तुलना की गई और कैसे उन्होंने सुनिश्चित किया कि उनकी बेटी खुद के बारे में आश्वस्त और अद्भुत महसूस करे।

पहला बच्चा मैनुअल होता है

अक्षय की वाइफ ने कार्यक्रम में कहा, मैंने अपने पहले बच्चे के साथ बहुत कुछ सीखा। और मुझे लगता है कि आपका पहला बच्चा वह मैनुअल होता है। आप उस बच्चे पर थोड़ा एक्सपेरिमेंट करते हैं। अपने दूसरे बच्चे के साथ, मुझे जो एहसास हुआ वह यह था कि... मुझे लगा कि वह एक नॉर्मल इंडियन लड़की की तरह दिखती है। हमेशा उसके और भाई के कलर के बीच तुलना होगी। हमारे देश में ऐसी चीजें होती हैं।

उसका कलर गोल्डन है

ट्विंकल ने आगे कहा, मैंने फैसला किया कि मैं ये सुनिश्चित करूं कि वो खुद को अद्भुत माने। भले ही उसकी यूनिब्रो हो, मैंने उससे कहा है कि वो बहुत खूबसूरत है, जैसे फ्रिदा कालो और वो बहुत अमेजिंग है और वैसे ही तुम भी शानदार हो। अगर वो ब्राउन है तो मैं उसे बताऊंगी कि उसका कलर गोल्डन है।

ट्विंकल को हुआ जीत का अहसास

ट्विंकल ने आगे बताया कि कैसे नितारा ने एक बात कही और उन्हें अपनी बेटी पर बहुत गर्व हुआ। उन्होंने बताया कि एक दिन वो अपने भाई के साथ समंदर के किनारे बैठी थी और आरव उसे सूरज की रोशनी से बचा रहा था। इस पर उसने कहा, मुझे सनब्लॉक की जरूरत नहीं है, मेरी स्किन तुम्हारी से ज्यादा अच्छी है। सफेद टीशर्ट गंदी हो जाती है, लेकिन ब्राउन टीशर्ट नहीं। तुम इसे देख नहीं सकते, इसलिए मैं बडी हूं। ट्विंकल को ये बात सुनकर लगा कि ये जीत है।

किडनी और पेट की सफाई में काले नमक को मिलेंगे फुल मार्क्स! जानें सच

यूट्यूब का एक वीडियो काले नमक के सेवन से इनकी सफाई और फिर पाचन बेहतर करने का दावा करता है। इस दावे को परखने के लिए फैक्ट चेक टीम ने डॉक्टर से बात की है।

किडनी और पेट अगर हेल्दी हैं तो मानिए कि आप भी स्वस्थ महसूस करेंगे। मगर कोई खास परेशानी न हो तो अक्सर लोग इनके लिए घरेलू उपाय ही आजमाते हैं। काले नमक का सेवन भी ऐसा ही उपाय है। इससे पेट और किडनी की सफाई की जा सकती है। एक वीडियो इस तथ्य के साथ पाचन सुधरने की बात भी कहता है। लेकिन वीडियो पर आंख मूंदकर विश्वास करना सही नहीं है। इसलिए फैक्ट चेक टीम ने डॉक्टर से विस्तृत तौर पर बात की है। इसमें काले नमक के कारगर होने की बात आधी सच साबित हुई है। मगर क्यों और कैसे? जवाब जानने के लिए आगे देखिए।

साक्ष्य नहीं है

कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, नवी मुंबई में कंसल्टेंट, नेफ्रोलॉजी डॉ. निखिल शिंदे मानते हैं कि इस दावे से जुड़ा कोई वैज्ञानिक साक्ष्य नहीं है। काला नमक किडनी की सफाई तो नहीं करता है लेकिन इससे वाटर रिटेंशन और किडनी पर दबाव कम होता है। सामान्य नमक के मुकाबले काले नमक में साल्ट स्केल पर सोडियम कंटेंट लेवल काफी कम होना इसकी वजह है।

सल्फर और सोडियम क्लोराइड

सल्फर और सोडियम क्लोराइड काले नमक में होता है जिससे पाचन की प्रक्रिया बेहतर होती है। इससे गैस बनने की दिक्कत भी कम होती है, जिससे ब्लोटिंग और कब्ज में राहत मिलती है।

अत्यधिक सेवन नहीं

याद रखिए काले नमक को अगर सीमित मात्रा में खाया जाए तो इससे पाचन में मदद मिलती है। लेकिन इसके अत्यधिक इस्तेमाल से सोडियम से जुड़ी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

आधा सच

फैक्ट चेक टीम की जांच में यूट्यूब वीडियो में किया गया दावा अधूरा सच साबित हुआ है। हालांकि हमेशा यही बेहतर होता है कि कोई घरेलू उपाय करने से पहले हेल्थ प्रोफेशनल से मदद ले ली जाए।

डिटॉक्स एजेंट है यह नमक

यूट्यूब के वीडियो में काले नमक को डिटॉक्स एजेंट माना गया है। इसमें बताया गया है कि काले नमक से पेट और किडनी अच्छे से साफ हो जाते हैं। इसलिए पाचन या कब्ज से छुटकारा दिलाने में यह पूरी मदद करता है। इस नमक में सल्फर की मात्रा ज्यादा होती है। क्लिप में इसे किडनी और पेट की सफाई करने वाला नमक कहा गया है।

कैल्शियम में दूध का बाप है तिल, ठंड में करें सही यूज

तिल के बीज खाना काफी फायदेमंद होता है। आयुर्वेद से लेकर डाइटिशियन तक ठंड में इन्हें खाने की सलाह देते हैं। इनकी तासीर गर्म होती है और यह बीमारियों से बचाने का काम करते हैं। बहुत सारे लोगों को नहीं पता कि मुट्ठी भर तिल के अंदर एक गिलास दूध के मुकाबले 5 गुना ज्यादा कैल्शियम होता है।

दांतों पर आएगी चमक

तिल का सही उपयोग करके हड्डियों को मजबूत बनाया जा सकता है। आयुर्वेदिक एक्सपर्ट डॉ. रोबिन शर्मा ने बताया कि मुट्ठीभर तिल से पालक और डार्क चॉकलेट के प्रमुख फायदे भी पाए जा सकते हैं। उन्होंने इसे इस्तेमाल करने के 2 तरीकों के बारे में बताया, जिनसे उम्र भर फायदे मिलते रहेंगे।

अगर आपके दांत कमजोर हो गए हैं तो तिल उसे भी ठीक करने में मदद कर सकता है। डॉक्टर का कहना है कि वक्त से पहले बाल सफेद होना भी बंद हो जाएंगे और उनमें नई जान आने लगेगी।

हड्डियों को 5 गुना ज्यादा ताकत

बोन्स को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए कैल्शियम की जरूरत होती है। तिल के बीज दूध से 5 गुना ज्यादा कैल्शियम देते हैं। यह मिनरल हड्डियों को मोटा बनाता है और कमजोर होने से बचाता है। इतना ही नहीं, इन छोटे–छोटे बीजों में प्रोटीन, फाइबर और ढेर सारे एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं।

पालक और डार्क चहकलेट के गुण

डॉक्टर ने यहां तक बताया कि मुट्ठीभर तिल के बीज 100 ग्राम पालक जितना आयरन देते हैं और काफी सारी डार्क चॉकलेट

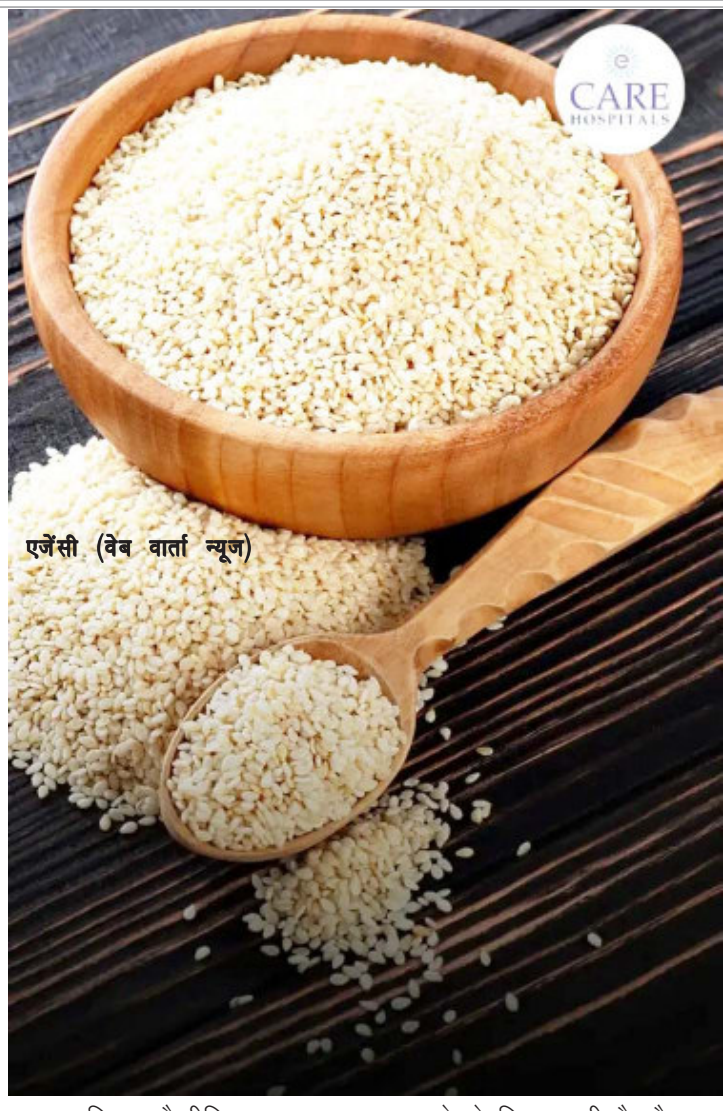

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

जितना मैग्नीशियम। आयरन खून बनाने के लिए जरूरी है और मैग्नीशियम का काम दिल, दिमाग, हड्डी और नींद को सही रखना होता है।

इन चीजों के साथ खाएं तिल

काला तिल, सूखा नारियल, कद्दू के बीज, अलसी के बीज, आंवला पाउडर, धागे वाली मिश्री को साथ में मिलाकर पाउडर बनाकर रख लें। इसका 1–1 चम्मच दिन में दो से तीन बार महीना भर खाएं। सर्दी–सर्दी खाने से बालों को नया जीवन मिल जाएगा। बालों का झड़ना–टूटना, समय से पहले सफेद होना आदि समस्याएं खत्म हो जाएंगी।

बेहतर होगी ओरल हेल्थ

तिल के तेल को मुंह में रखकर 5 से 10 मिनट के लिए मुंह में घुमाएं। इसके बाद कुल्ला कर लें। यह उपाय मुंह से बदबू आने, पायरिया की समस्या, मसूड़ों का फूलना और दांतों का हिलना केवल सप्ताह भर में सही कर देगा। यह उपाय ओरल हेल्थ को सुधारकर दांतों को काली–पीली गंदगी से बचाता है।

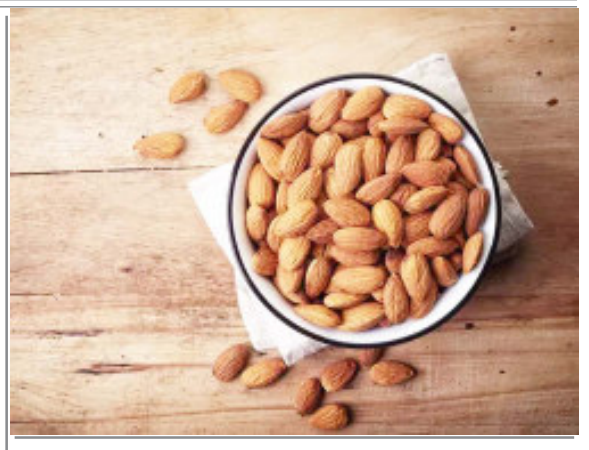

बादाम–सफेद प्याज का देसी नुस्खा, पीछा छोड़ेंगी ये बीमारी

बादाम बहुत ताकतवर ड्राई फ्रूट है। यह बदन में जान भरने, दिमाग को तेज बनाने और दिल को हेल्दी बनाने के काफी काम आता है। अक्सर लोग इसे भिगोकर खाली पेट खाते हैं। लेकिन क्या आप ने बादाम के साथ सफेद प्याज का सेवन किया है। इस उपाय को डॉक्टर निशांत गुप्ता ने कई बीमारियों में असरदार बताया है। अगर 1 महीना डटकर इसे कर लिया तो 4 बीमारी तेजी से खत्म होने लगती हैं। सबसे बड़ी बात है कि इन बीमारियों से लाखों लोग परेशान हैं और आजकल बच्चे भी इनके शिकार बनते जा रहे हैं। इस उपाय के लिए साधारण बादाम का इस्तेमाल नहीं करना है। बल्कि आप गुरबंदी बादाम की गिरी लेकर आएं। यह पंसारी के पास आराम से मिल जाएंगे और इसकी गिरी साइज में छोटी होती है। जो बेहद औषधीय असर दिखाती है। बादाम और सफेद प्याज के अंदर कई सारे औषधीय गुण होते हैं। यह शरीर को ताकत तो देगा ही, साथ में कुछ बीमारियों में फायदा करता है। जिनमें गंभीर डैंड्रफ की समस्या, लंबे समय से चल रही कब्ज, आंखों की रोशनी कम होना और ब्लड शुगर का तेजी से बढ़ना शामिल है।

सारी मुसीबतों की जड़ है मोबाइल फोन! दिमाग को कर सकता है ठप

मोबाइल फोन की बिना जिंदगी की कल्पना करना मुश्किल हो गया है। घर पर कुछ ऑर्डर करना हो, ऑफिस का काम करना हो, मूवी देखनी हो या और कुछ भी, हर चीज के लिए मोबाइल फोन का यूज करना पड़ता है। बचपन में हर किसी की मम्मी इसको लेकर खूब डांटती थी। उनकी बात सच होती नजर आ रही है, क्योंकि अधिकतर परेशानियों की जड़ ये मोबाइल फोन ही है। वैज्ञानिकों से लेकर डॉक्टर भी मोबाइल फोन को हेल्थ के लिए नुकसानदायक मानते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट और डाइटिशियन श्वेता जे पांचाल का कहना है कि लाइफ की सारी प्रॉब्लम की जड़ यह मोबाइल फोन ही है। यह दिमाग के लिए बहुत ज्यादा नुकसानदायक है। लोगों का अधिकतर वक्त मोबाइल स्क्रॉलिंग करते हुए निकलता है। सोने से पहले रात में इसका खूब इस्तेमाल किया जाता है। एक्सपर्ट ने बताया कि हर रात बिना सोचे–समझे स्क्रॉलिंग करने के कारण नींद खराब होती है। यह सर्काइडियन रिदम को बाधित करता है, जो कि स्लीप साइकिल को रेग्युलेट करती है। फोन की स्क्रीन से ब्लू लाइट निकलती है।

दुबले होना है तो तीखापन भूल खाइए मिर्च, डॉक्टर ने भी लगा दी मुहर

वजन घटाना आजकल के लाइफस्टाइल के लिए जरूरी लेकिन कठिन प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया को जीवन में उतारना और कामयाब होना सबके बस की बात नहीं होती है। लेकिन किचन में मौजूद एक इंग्रिडिएंट इस काम में आपका साथी बन सकता है। यह है मिर्च, जो हर इंडियन डिश का हिस्सा होती ही है। मिर्च तेजी से वजन कम करने में मदद करती है। यह दावा करने वाला यूट्यूब का वीडियो आपको भी देखना चाहिए। इसमें मिर्च के असर और इसके फायदों पर भी बात की गई है। मगर क्या वीडियो देखकर ऐसा किया जाना सही रहेगा? नहीं, इसके पीछे सच है या झूठ यह भी पता लगाना होगा। सजग फैक्ट चेक टीम ने यह पता लगाया है, आप भी जान लीजिए। वीडियो में बताया गया कि मिर्च में एक कैप्सेसिन नाम का कंपाउंड होता है जो मेटाबॉलिज्म बूस्ट करने में मदद करता है। इससे कैलोरी बर्न होने में मदद मिलती है और वजन तेजी से कम होता है। कैप्सेसिन के चलते भूख कम लगती है और आप कम कैलोरी इनटेक करते हैं। इससे ब्राउन फैट का प्रोडक्शन बढ़ता है जो हीट बनाने के लिए कैलोरी बर्न करता है। इंसुलिन लेवल ज्यादा हो तो वजन बढ़ता है लेकिन मिर्च इंसुलिन लेवल को कम करने में मदद करती है। इससे आप व्यायाम करने के लिए मोटिवेटेड रहते हैं। मिर्च में थर्मोलॉजिक खासियतें और कंपाउंड पिपेरिन होती है, जिससे मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है। मिर्च वजन कम करने में सहयोगी भूमिका निभा सकती है।

केएल राहुल की जगह बदली

केएल राहुल की जगह से छेड़छाड़ की गई, ऐसे में वह भी बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। राहुल ने 42 गेंदों पर 24 रन की पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 3 चौके लगाए। पैट कमिंस ने उन्हें बोल्ड किया। केएल राहुल ने पहले टेस्ट में 84–4', दूसरे टेस्ट में 37–7 और तीसरे टेस्ट में 26–77 रन बनाए थे। बैटिंग ऑर्डर में बदलाव करने के बाद भी रोहित शर्मा फेल रहे। उन्होंने पहली पारी में 5 गेंदों पर 3 रन बनाए।

रोहित शर्मा की मनमानी कहें या खराब कप्तानी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच मेलबर्न में खेला जा रहा है। इस बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल अब समाप्त हो गया है। भारतीय टीम की हालत काफी खराब नजर आ रही है। 164 के स्कोर पर आधी टीम पवेलियन लौट गई है। टीम इंडिया की इस हालत का जिम्मेदार कहीं ना कहीं कप्तान रोहित शर्मा के कुछ फैसलों को माना जा रहा है। चौथे टेस्ट के लिए भारत की प्लेइंग 11 में 1 बदलाव किया गया। शुभमन गिल को बाहर बैठाकर ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजी कमजोर हुई। टीम को गिल की कमी अभी से खलने लगी है। पहले ही दिन भारत के 5 विकेट गिर चुके हैं। भारतीय टीम पर अभी से फॉलोऑन का खतरा मंडराने लगा है। टीम अभी भी 310 रन पीछे है। इतना ही नहीं पिछले 2 टेस्ट में 6 नंबर पर बल्लेबाजी करने वाले रोहित शर्मा ने बैटिंग ऑर्डर में भी बदलाव किया। चौथे टेस्ट में रोहित ने यशस्वी जायसवाल के साथ ओपनिंग की। ऐसे में इनफॉर्म केएल राहुल को 3 नंबर पर उतारा गया। रोहित की लग रहा था कि वह 6 नंबर के बजाए ओपनिंग करेंगे तो सफल हो सकते हैं। हालांकि, पहली पारी में ऐसा देखने को नहीं मिला।

यशस्वी के अलावा भारतीय बल्लेबाजों ने किया निराश

क्रिकेट

जायसवाल ने बनाए 82 रन, रोहित ब्रिगेड पर मंडराया फॉलोऑन का खतरा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच मेलबर्न में खेला जा रहा है। इस बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारतीय टीम की पहली पारी में हालत खस्ता है। भारतीय टीम 164 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा चुकी है। यशस्वी जायसवाल के अलावा रोहित ब्रिगेड का टॉप ऑर्डर बुरी तरह फेल रहा। ऐसे में टीम इंडिया पर फॉलोऑन का खतरा मंडराने लगा है। टीम अभी भी 310 रन पीछे है।

पहले दिन स्टंप तक ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट खोकर 311 रन बना लिए थे। स्टीव स्मिथ 68 और पैट कमिंस 8 रन बनाकर नाबाद थे। दूसरी दिन कप्तान पैट कमिंस रवींद्र जडेजा ने अर्धशतक नहीं बनाने दिया। कमिंस ने 63 गेंदों पर 49 रन की पारी खेली। इसके बाद जडेजा ने मिचेल स्टार्क

को बोल्ड किया। उन्होंने 15 रन बनाए। 115वें ओवर में आकाशदीप ने स्टीव स्मिथ को बोल्ड किया। स्मिथ ने 197 गेंदों पर 140 रन बनाए। अंत में जसप्रीत बुमराह ने नाथन लियोन को एलबीडब्ल्यू आउट किया। पहली पारी में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत खराब रही। बैटिंग ऑर्डर में बदलाव कर ओपनिंग करने आए रोहित शर्मा फेल रहे। उन्होंने 5 गेंदों का सामना किया और 3 रन बनाए। इसके बाद केएल राहुल ने यशस्वी जायसवाल के साथ पारी को संभाला। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 43 रन जोड़े। 15वें ओवर की आखिरी गेंद पर पैट कमिंस ने केएल राहुल को बोल्ड किया। उन्होंने 42 गेंदों पर 24 रन की पारी खेली।

इसके बाद यशस्वी ने विराट कोहली के साथ पारी को आगे बढ़ाया। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 102 रन की पार्टनरशिप हुई। यह साझेदारी दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से टूटी। 41वें ओवर में यशस्वी रन आउट हुए। उन्होंने 118 गेंदों का सामना किया और 82 रन बनाए। कुछ ही गेंद बाद विराट कोहली को बोलैंड ने अपना शिकार बनाया। कोहली ने 86 गेंदों पर 36 रन की पारी खेली। नाइट वॉचमैन के रूप में आए आकाशदीप का खाता तक नहीं खुला। दिन का खेल खत्म होने तक विकेटकीपर ऋषभ पंत 6 और रवींद्र जडेजा 4 रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं।

जिसके आगे नतमस्तक दुनिया, उस विराट कोहली को चिढ़ाते ऑस्ट्रेलियाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मेलबर्न। बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन विराट कोहली का फैंस के साथ विवाद हो गया। बॉक्सिंग डे टेस्ट के दूसरे दिन स्कॉट बोलैंड की गेंद पर आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय कुछ फैंस ने कोहली को चिढ़ाया। इससे कोहली भड़क गए। मैदान की टनल में घुसने के बाद कोहली वापस आ गए। उन्होंने मुड़कर उन लोगों को घूरा जिन्होंने उन्हें चिढ़ाया था। हालांकि मामला बिगड़ने से पहले डब्ळ सुरक्षाकर्मी ने कोहली को शांत कराया और टनल से अंदर ले गए।

मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर चल रहे बॉक्सिंग डे टेस्ट मैच के पहले दिन से ही दर्शक विराट कोहली को परेशान कर रहे थे। यह सब तब शुरू हुआ जब विराट कोहली की 19 साल के सैम कोंस्टास से भिड़ंत हो गई। कोंस्टास ने इसी मैच से इंटरनेशनल डेब्यू किया

फिर बाहर की गेंद पर आउट हुए कोहली

है। दोनों खिलाड़ियों का कंधे से कंधा टकरा गया। कई लोगों का कहना है कि विराट कोहली ने जानबूझकर युवा खिलाड़ी को टक्कर मारी।

विराट कोहली एक बार फिर ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को विराट का विकेट मिला। वह शुरुआत में लगातार बाहर की गेंद को छोड़ रहे थे। लेकिन यशस्वी जायसवाल के साथ तालमेल बिगड़ने की वजह से विकेट गिरा। इससे विराट की एकाग्रता भी भंग हो गई। उन्होंने बाहर की गेंद पर बल्ला लगाया और 36 रनों के स्कोर पर पवेलियन लौट गए।

82 रन बनाने वाले यशस्वी जायसवाल के रन आउट होने के

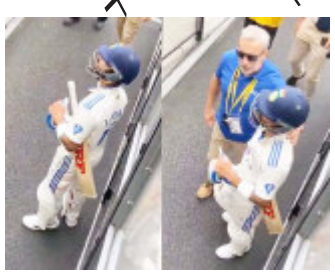

बाद भारतीय पारी लड़खड़ा गई। इससे बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के चौथे टेस्ट मैच के दूसरे दिन आस्ट्रेलिया ने मैच पर पकड़ और मजबूत कर ली। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी में 474 रन के जवाब में भारतीय टीम ने जायसवाल और विराट कोहली की शतकीय पारी से मैच में वापसी का प्रयास किया था। स्टंप्स के समय भारत का स्कोर पांच विकेट पर 164 रन था और टीम पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया से 310 रन पीछे है।

वेस्टइंडीज पर कहर बनकर टूटी दीप्ति शर्मा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वडोदरा। भारत की स्टार महिला रेणुका ठाकुर और दीप्ति शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में कहर बरपा दिया। सबसे पहले रेणुका ठाकुर ने अपने शुरुआती स्पैल से वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी की कमर तोड़ी और उसके बाद दीप्ति ने अपनी फिरकी का ऐसा जादू चलाया कि मेहमान टीम को दिन में तारे नजर आ गए। दीप्ति शर्मा ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 ओवर स्पैल में 31 रन देकर 6 विकेट अपने नाम किए। वहीं रेणुका ने अपनी गेंदबाजी में 29 रन खर्च कर 4 विकेट लिए। ठाकुर ने सटीक लाइन और लैंग्थ के साथ गेंदबाजी करके शीर्षक्रम की चूलें हिला दी तो दीप्ति ने फिरकी का जाल बुनकर मध्यक्रम और निचले क्रम को रवाना किया। वनडे में पांच या अधिक विकेट लेने का कारनामा उन्होंने तीसरी बार किया है।

न्यूज डायरी

स्टीव स्मिथ का तो दिल ही टूट गया, दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से हुए आउट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। क्रिकेट के मैदान पर एक से एक अजीबो–गरीब घटना देखने को मिलती रहती है। बल्लेबाजी की बात यो या फिर बॉलिंग एक्शन या फील्डिंग की। हर मैच में कुछ नया देखने को मिलता है, लेकिन जिस तरह से ऑस्ट्रेलिया के बैटर स्टीव स्मिथ भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट में आउट हुए वैसा बहुत कम देखने को मिला है। स्टीव स्मिथ ने जिस तरह से अपना विकेट गंवाया, उसका उन्होंने कभी सपने में भी नहीं सोचा होगा कि वह ऐसे आउट होंगे। आइए बताते हैं स्टीव स्मिथ किस तरह से आउट हुए। दरअसल, ऑस्ट्रेलिया की तरफ से स्टीव स्मिथ ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शतकीय पारी खेली। वह भारत के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक (11) जड़ने वाले बैटर बने। शतक जड़ने के बाद स्टीव क्रीज पर डटे हुए थे, लेकिन पारी के 115वें ओवर की पहली गेंद पर आकाशदीप की गेंद पर स्टीव स्मिथ बोल्ड हुए। जिस तरह से स्टीव स्मिथ बोल्ड हुए उसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। खुद स्मिथ को अपनी आंखों पर यकीन नहीं की वह इस तरह से आउट हो जाएंगे। हुआ कुछ यूं कि स्टीव स्मिथ शानदार बैटिंग कर रहे थे, लेकिन एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना ने उनकी पारी को समाप्त कर दिया। स्मिथ ने गेंद को पिच करने के बाद ट्रैक पर आकर खेला, लेकिन गेंद उनकी पैड्स से टकराई और अंदर की ओर झूलकर निकल गई। फिर गेंद धीरे–धीरे टप्पा खाते हुए स्टंप से टकराई और एक बेल गिर गया। इस प्रकार स्टीव स्मिथ दूर्भाग्यपूर्ण तरीके से आउट हुए। स्टीव स्मिथ ने भारत के खिलाफ अपने टेस्ट करियर का 11वां शतक जड़ा।

बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान शेन वॉर्न को दी गई श्रद्धांजलि

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेलबर्न। भारत और ऑस्ट्रेलिया के चौथे टेस्ट के पहले दिन के खेल के दौरान मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर क्रिकेट प्रेमियों ने शेन वॉर्न को श्रद्धांजलि दी। दोपहर 3 बजकर 50 मिनट पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों ने अपनी फ्लॉपी हैट उतारकर वॉर्न को याद किया। मार्च 2022 में क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल लेग स्पिनर शेन वॉर्न का निधन हो गया था। फ्लॉपी हैट उतारने की यह परंपरा 2022 के बॉक्सिंग डे टेस्ट से शुरू हुई थी। 3:50 बजे खेल एक मिनट के लिए रोका गया और दर्शकों ने वॉर्न को अपनी फ्लॉपी हैट उतारकर श्रद्धांजलि अर्पित की। बड़ी स्क्रीन पर वॉर्न की एक वीडियो क्लिप भी चलाई गई, जिसका दर्शकों ने खूब आनंद लिया। 3:50 पर यह इसलिए किया गया क्योंकि वॉर्न का कैप नंबर 350 था। फ्लॉपी हैट वॉर्न की पहचान थी। वे अक्सर मैदान पर और मैदान के बाहर फ्लॉपी हैट पहने दिखते थे। शेन वॉर्न के बेटे और बेटी ने ही बाउंड्री लाइन के पास खड़े होकर फ्लॉप हैट उतरी। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड वॉर्न का होम ग्राउंड होने के साथ ही सबसे पसंदीदा मैदान भी था। इस मैदान पर 11 टेस्ट में उनके नाम 56 विकेट हैं। 1994 में बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान वॉर्न ने इस मैदान पर हैट्रिक विकेट लिया था।

सुरक्षा घेरा तोड़ मैदान में घुसा फैन, कोहली के कंधे पर हाथ रखकर झूमा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले जा रहे चौथे टेस्ट के दूसरे दिन के दौरान एक शख्स सुरक्षा घेरा तोड़कर मैदान में घुसा। भारतीय टीम के प्लेयर्स फील्डिंग कर रहे थे, तभी अचानक से कप्तान रोहित को डराते हुए एक शख्स स्टैंड से दौड़ते हुए उनके पास पहुंचा और फिर किंग कोहली के कंधे पर हाथ रखकर बीच मैदान तेवर दिखाए, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस दौरान तुरंत सिक्योरिटी ने उन्हें पकड़ा और मैदान से बाहर कर दिया। दरअसल, सोशल मीडिया पर मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड की एक वीडियो तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें देखा जा रहा है कि अचानक मैदान के बीच एक शख्स घुस जाता है। वीडियो में एक फैन सबसे पहले वह रोहित को डराते हुए नजर आया। फिर कोहली को गले लगाया और उनके कंधे पर हाथ रखकर उनसे बातचीत की। सुरक्षाकर्मियों ने फिर उस शख्स को पकड़ा और मैदान से बाहर किया। जिस तरह से उस शख्स ने कोहली के कंधे पर हाथ रखकर उनसे बातचीत करना चाहा, उससे देखकर लग रहा था कि वह विराट कोहली का जबरा फैन है, जो बिना किसी डर के सिक्योरिटी को चकमा देकर उनसे मिलने मैदान पर पहुंच गया।

संक्षिप्त समाचार

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर जताया शोक

संवाददाता देहरादून। राष्ट्रवादी आरटीआई एक्टिविस्ट एंड ह्यूमन राइट्स फेडरेशन भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया। कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल पार्क के बाहर उनको श्रद्धांजलि दी और भगवान से उनकी आत्मशांति की कामना की। वक्ताओं ने कहा कि उनके देश के लिए अतुलनीय योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता है। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष राकेश भट्ट,राजकुमार, हेमंत शर्मा, कृष्ण गोपाल रुहेला, अरविन्द मल्होत्रा, अमित वर्मा, धारा सिंह, राजेश नाथ, दीपक गुसाईं, कैलाश सेमवाल, बिजेंद्र सेमवाल, शिवम भट्ट, वैभव, राजीव बजाज मौजूद रहे।

नई दिशा की ओर बढ़ रही नमामि गंगे योजनाः जोशी

संवाददाता देहरादून। नमामि गंगे के डायरेक्टर जनरल राजीव कुमार मित्तल ने शुक्रवार को हैस्को के कार्यक्रमों की समीक्षा की। हैस्को के संस्थापक पद्मभूषण डॉ. अनिल प्रकाश जोशी ने उनका स्वागत किया। डॉ. जोशी ने बताया कि नमामि गंगे अब एक नई दिशा की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि यह समय गंगा तट पर बसे गांवों को उनके आर्थिक उन्नयन के साथ जोड़ने का है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि गंगा से लाभान्वित हो रहे इन गांवों के लिए विज्ञान और तकनीक को नई दिशा देने की आवश्यकता है। डॉ. जोशी ने जोर देकर कहा कि अब समय आ चुका है कि नमामि गंगे समुदायों के साथ मिलकर काम करने की पहल को और अधिक सशक्त बनाए।

नए मानक बनाने के लिए उद्योग सामने आएंः तिवारी

संवाददाता देहरादून। भारतीय मानक ब्यूरो की देहरादून शाखा के स्टैंडर्ड कॉन्क्लेव में मानकों में उद्योगों की भागीदारी, मानकीकरण के भविष्य, कार्यस्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा आदि पर चर्चा हुई। शुक्रवार को सर्वे चौक स्थित आईआरडीटी सभागार में कार्यक्रम हुआ। प्रतिनिधियों ने सर्वप्रथम पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। सिडकुल मैन्युफैक्चरर एसोसिएशन यूनिट के अध्यक्ष हरेंद्र गर्ग ने कहा कि नियमों का पालन करना उद्योगों की जिम्मेदारी है।

हरेक क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

संवाददाता देहरादून। ग्राफिक एरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में शुक्रवार को आयोजित दो दिनी अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ह्यूमन इंटेलिजेंस का एकीकरण से विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओं का समाधान खोजने के विषय पर चर्चा की। सम्मेलन में स्मारिका का विमोचन किया गया। पहले दिन 60 शोध पत्र पढ़े गए।

होनहार युवाओं के बूते साकार होगा विकसित भारत का सपना: राज्यपाल

दीक्षांत समारोह

■ राज्यपाल ने पांचवें दीक्षांत समारोह में 716 को उपाधि के साथ ही 37 मेधावी छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) गुरमीत सिंह ने शुकवार को दून विवि के डॉ. नित्यानंद सभागार में पांचवें दीक्षांत समारोह में 716 को उपाधि के साथ ही 37 मेधावी छात्र–छात्राओं को स्वर्ण पदक प्रदान किए। राज्यपाल ने कहा कि छात्र अपनी हॉबी, खासियत को पहचाने और उसे अपनी विशेषज्ञता में ढालें। सीखना कभी न छोड़ें और बड़े सपने देखें। विकसित भारत का सपना पूरा होना होनहार युवाओं के बूते ही संभव है। कुलपति डॉ. सुरेखा डंगवाल ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को हिंदी में शपथ दिलाई। दीक्षांत समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और कुलगीत के साथ हुआ। मुख्य अतिथि राज्यपाल गुरमीत सिंह, विशिष्ट अतिथि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत, कुलपति प्रो.सुरेखा डंगवाल, भारतीय विज्ञान संस्थान के पूर्व अध्यक्ष पद्मभूषण डॉ. पी बलराम की मौजूदगी में वर्ष 2023 में उत्तीर्ण 398 स्नातक, 293 परास्नातक तथा 25 पीएचडी दीक्षार्थियों को विधिवत उपाधि प्रदान की गयी।

राज्यपाल ने विवि को नैक ए ग्रेड मिलने पर बधाई देते हुए कहा कि उपाधि देते समय उन्होंने दीक्षार्थियों और उनके अभिभावकों के चेहरे पर जो ऊर्जा और उत्साह देखा है उससे वह अभिभूत हैं। राज्यपाल ने कहा कि जीवन में सीखना कभी न छोड़ना। जीवन में गहराई पाने के लिए बड़े सपने देखें। नौकरी के लिए नहीं नौकरी देने वाले बनें। उन्होंने युवाओं से ड्रग, नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने जीवन को पैशन की तरह जियो। कुलपति डॉ. सुरेखा डंगवाल ने कहा कि विवि ने पिछले 15 साल की शैक्षणिक यात्रा में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। विवि में छात्र– छात्राओं के ज्ञानात्मक विकास के साथ– साथ उनके कौशल विकास पर ध्यान देना प्राथमिकता में शामिल है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही विवि में अनेक ऐसे अवसर आए जब संस्थान में विशिष्ट व्यक्तित्वों का आगमन हुआ। उन्होंने उम्मीद जताई कि उपाधि प्राप्त करने वाले युवा समाज की समस्याओं और जरुरतों के मद्देनजर विशिष्टता से करेंगे।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने दीक्षांत समारोह में बेटियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि ये पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। राज्य सरकार उच्च शिक्षा की गुणवत्ता, विवि, महाविद्यालयों में उत्कृष्ट शैक्षणिक, शोध कार्यों के लिए निरंतर अनुकुल वातावरण उपलब्ध करवा रहा है। विशेष रुप से आमंत्रित पद्मभूषण डॉ.पी बलराम ने उच्च शिक्षा में आगे बढ़ रहे दून विवि की प्रशंसा की। संचालन प्रो.एचसी पुरोहित ने किया। इस मौके पर पद्मश्री डॉ.प्रीतम भरतवाण, पद्मश्री डॉ.माधुरी बड़थ्वाल, पद्मश्री बसंती बिष्ट, पद्मश्री प्रेम शर्मा, रिटायर डीजीपी अनिल जोशी, विधायक मुन्ना सिंह चौहान, दून विवि के प्राध्यापकगण, स्टॉफ, अभिभावक मौजूद रहे।

इन्हें मिला गोल्ड मैडलः मैत्री रावत, कृतिका मेहरा, दिशा बिष्ट, पूजा वर्मा, आयुषी रावत, करन बिष्ट, अनिशा सैनी, सोनाली चौहान, वैष्णवी चौहान, प्रशांत बिष्ट, विनायक तिवारी, हर्ष कुमार, दिव्यांशी रावत, गौरी डंगवाल, आस्था नेगी, निधि गुसाईं, श्रेया सेमवाल, मुस्कान नैब, अपेक्षा पंत, कंगना जायसवाल, देवाशीष कोटनाला, प्रत्यूष बड़थ्वाल, अनुष्का राणा, अनिरुद्ध थपलियाल, आयुष शर्मा, अंकुर पांथरी, अजय भूषण रावत, आकाश पाणिगृहि, मनिका, ज्योत्सना फुलोरिया, अर्पिता दास, सत्कार त्रिपाठी, यशस्वी डंगवाल, काजल नेगी, अनन्या पाठक, निधि गोविंद, श्वेता।

दीक्षांत समारोह का विषय रहा 'माटी'

इस साल दीक्षांत समारोह की विषय वस्तु माटी रहा। इस कड़ी में आगामी महिनों में विवि द्वारा 'माटी यानि धरती के संरक्षण से सम्बंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। राज्यपाल ने इस विषय की सराहना करते हुए 'अर्थ और 'दिल शब्द को आपस में जोड़ते हुए कहा कि पृथ्वी का संरक्षण दिल से करने की जरुरत है। मानवजाति ने मिट्टी से उसके तत्वों का जो दोहन किया है, इसलिए उसे भरपूर पोषण की जरुरत है।

उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदने पर होना पड़ रहा मजबूर

निर्देश

■विद्युत उपभोक्ताओं को राहत दिलाने को मोर्चा ने नियामक आयोग में दी दस्तक

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी के नेतृत्व में विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष एम.एल. प्रसाद से मुलाकात कर लाइन लॉस (डिस्ट्रीब्यूशन लॉस) एवं ए.टी एंड सी. लॉसेस कम कराने का आग्रह किया जिस पर प्रसाद ने कार्यवाही का भरोसा दिलाया। नेगी ने कहा कि लाइन लॉस के चलते विद्युत उपभोक्ताओं को महंगी बिजली खरीदने पर मजबूर होना पड़ रहा है।

नेगी ने कहा कि गत वर्ष 2023–24 तक विद्युत वितरण हानियां 13.89 फीसदी एवं ए टी एंड सी हानियां 14.64 फीसदी थी, लेकिन लॉसेस बढ़ते– बढ़ते अगस्त 2024 तक लाइन लॉस 18.96 फीसदी एवं ए.टी.एंड सी. हानियां 33.41 फीसदी तक पहुंच गई, जोकि बहुत बड़ी हानि है तथा इसका बोझ फिर जनता के सर पड रहा है, जिसके चलते 1500– 2000 करोड़ रुपए की राजस्व हानि हो रही है। एक किलोवाट तक के उपभोक्ताओं को मोर्चा पूर्व में राहत दिला चुका है।

नेगी ने हैरानी जताई कि सरकार एवं उसके अधिकारी विद्युत लाइन लॉस कम करने में क्यों नाकाम साबित हो रहे हैं क्यों दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं ! नेगी ने कहा कि अगर आंकड़ों की बात करें तो सबसे ज्यादा लाइन लॉस विद्युत वितरण खंड, रुड़की (अर्बन) 39.48 फीसदी, रुड़की ग्रामीण 42.89, रुद्रपुर–द्वितीय 37.34 फीसदी, बागेश्वर 32.62 फीसदी, लक्सर 35.25,रुड़की सेंटर 34.35 वाले डिवीजन केंद्र हैं तथा कई ऐसे खंड हैं, जो 25– 30 तक पहुंच गए हैं, जिनकी वजह से पूरे प्रदेश का विद्युत उपभोक्ता कराह रहा है।

सनलाइट वाटरग्रेस और इकॉन कंपनी को पंद्रह दिन का अल्टीमेटम

संवाददाता देहरादून। जिलाधिकारी व प्रशासक नगर निगम सविन बंसल ने डोर टू डोर कूड़ा उठाने का कार्य करने में फेल साबित हो चुकी सनलाइट, वाटरग्रेस और इकॉन कंपनी को व्यवस्था में सुधार लाने के लिए पंद्रह दिन का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही उन्होंने स्मार्ट सिटी लिमिटेड के पीआईयू सेल के स्तर से निगम के कार्यों की ठीक से मॉनीटरिंग नहीं करने पर स्पष्टीकरण मांगा है। प्रशासक कार्यालय में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी ने सनलाइट, वाटरग्रेस और इकॉन कंपनियों के प्रबंधकों को स्पष्ट तौर पर कहा कि वह लिखित में दें कि पंद्रह दिनों के भीतर व्यवस्था नहीं सुधार पाए तो निगम टेंडर कर डोर टू डोर कूड़ा उठान का काम दूसरी कंपनियों को सौंपे। उन्होंने स्मार्ट सिटी के पीआईयू सेल से स्पष्टीकरण मांगा कि सहस्त्रधारा रोड के समीप स्थित पुराने ट्रंचिंग ग्राउंड, शीशमबाड़ा में डंप लीगेसी वेस्ट का निस्तारण कार्ययोजना के मुताबिक क्यों नहीं हो रहा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिंटर्स,74/9,आराघर,देहरादून से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।